RNI No. :BIHHIN/2013/53084

संपादक
अभिजीत कुमार, 9431006107

समाचार संपादक
अखिलेश कुमार, 9431089053

राजनीतिक संपादक
प्रो. नीरज कुमार सिंह, 9431049337

सहायक संपादक
प्रभाकर कुमार राय/एस. एन. श्याम

संपादकीय सलाहकार
राजीव कुमार सिंह 9431210181
रंजीत कुमार 8800689555

कॉन्सेप्ट एडिटर
अनूप कुमार शर्मा, 7004821433

विधि सलाहकार
वीणा कुमारी जयसवाल, पटना हाई कोर्ट

बिहार ब्यूरो
अनूप नारायण सिंह

मुख्य संवाददाता
सोनू सिन्हा,9431006189
आशीष कुमार

जिला ब्यूरो
**बेगूसराय** : विरेश कुमार सिंह, 9430415316
अमित सिंह, 9430595995
**भागलपुर प्रमंडल** : राजेश पंजिकार, (ब्यूरो चीफ), 9334114515
**समस्तीपुर** : राजेश कुमार
**चांदन** : अमोद कुमार दूबे : 8578934993
**मुंगेर** : सिद्धांत
**कटोरिया** : दीपक चौधरी, विशेष संवाददाता 9973077043
**सुईया** : चन्द्रशेखर मिश्र (संवाददाता)
**बिहार-झारखंड** : अभिनव कुमार 7903292877
**दिल्ली** : नवल वत्स, 9818901841
स्वाति
**ग्रेटर नोएडा** : गौरीशंकर, 8920215318

प्रधान कार्यालय
गिरिराज सदन, हनुमान नगर, संजय गांधी नगर, काली मंदिर रोड़ नं.- 7, पटना - 800 020 (बिहार)
मो.- 9431006107, 9939815347

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक : अभिजीत कुमार गिरिराज सदन, हनुमान नगर, संजय गांधी नगर, काली मंदिर रोड़ नं.- 7 पटना - 800 020 (बिहार) से प्रकाशित व एस. एम. ऑफसेट पंडुईकोठी लंगर टोली, डीएन दास लेन, पटना-800 004,से मुद्रित।

पत्रिका में प्रकाशित किसी भी रचना के विवाद के लिए लेखक स्वयं जिम्मेवार होंगे। इसके लिए संपादक से सहमति जरूरी नहीं। पत्रिका से संबंधित सभी विवादों का निबटारा पटना उच्च न्यायालय से होगा।

संरक्षक

डॉ. संजय मयूख
राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी भाजपा

जय जयराम सिंह
JJRS CONSTRUCTION PVT. LTD.

# चर्चित बिहार

वर्ष : 7, अंक : 7, मार्च 2020, मूल्य : 25/- राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

07 ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले- मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं ...

बिहार के सुनहरे वर्तमान के ... 12

राष्ट्रपति पुलिस वीरता ... 14

रूस-सऊदी का झगड़ा भारत ... 15

एक स्वस्थ और प्रगतिशील... 18

# मुश्किल में कमलनाथ सरकार

अभिजीत कुमार
संपादक
9431006107
cbhindi.news@gmail.com

मध्य प्रदेश की कमलनाथ सरकार ने अभी डेढ़ साल भी पूरे नहीं किए हैं लेकिन अभी यह इतने भीषण संकट में पड़ गई है कि इसका बचना मुश्किल लगता है। मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अभी हार नहीं मानी है, लेकिन लगभग 20 विधायकों के समर्थन वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीजेपी में शामिल हो जाने के बाद अब कांग्रेस को किसी चमत्कार का ही सहारा रह गया है। बहरहाल, कमलनाथ सरकार रहे या जाए, पर कांग्रेस नेतृत्व को उन सवालों का सामना करना चाहिए, जो इस संदर्भ में लगातार उठते रहे हैं। अभी उसका कहना है कि बीजेपी विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद से ही इस सरकार को गिराने में जुटी थी। कुछ प्रेक्षकों ने इस आरोप से सहमति भी जताई है। उनका कहना है कि सत्तारूढ़ दल के विधायकों से इस्तीफे दिलवाकर सरकार को अल्पमत में ला देने और फिर उपचुनावों के जरिये उनको दोबारा निर्वाचित करा लेने का जो फॉम्युर्ला कर्नाटक में कामयाब रहा, उसे अब मध्य प्रदेश में भी दोहराया जा रहा है। इस व्याख्या में सचाई के अंश हो सकते हैं, लेकिन पूरे घटनाक्रम पर नजर डालें तो लगता यही है कि मध्य प्रदेश में जो कुछ हो रहा है, उसका सीधा संबंध कांग्रेस के शीर्ष पर दिख रहे शून्य से है। देश की सबसे पुरानी पार्टी पिछले लोकसभा चुनावों में मिली हार के बाद से ही एक ऐसे संकट से गुजर रही है जिसकी बराबरी देश के आधुनिक राजनीतिक इतिहास में शायद ही खोजी जा सके। आम चुनाव के नतीजों की समीक्षा के लिए आयोजित राष्ट्रीय बैठक में हार की जिम्मेदारी लेते हुए राहुल गांधी ने साफ कर दिया कि वह खुद तो पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे ही रहे हैं, साथ ही यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि गांधी-नेहरू परिवार से कोई भी व्यक्ति पार्टी का अगला अध्यक्ष नहीं बनेगा। तब से अब तक एवजी उपायों से ही कांग्रेस चल रही है। पार्टी के अंदर की धड़ेबाजी शीर्ष स्तर पर मौजूद इस नेतृत्वहीनता से कमजोर नहीं हुई। इसके बजाय हर राज्य में एक धड़ा दूसरे धड़े को कमजोर पाकर उसे निपटाने में जुट गया। राहुल गांधी के संक्षिप्त कार्यकाल में जो भी नेता उनसे नजदीकी के बल पर मजबूत हुए थे, उनके हटते ही वे अनाथ हो गए। हरियाणा और झारखंड के बाद मध्य प्रदेश तीसरा ऐसा राज्य है जहां राहुल के करीबी सबसे बड़े नेता ने कांग्रेस में अलग-थलग पड़ने के बाद बीजेपी की उंगली पकड़ी है। यह सिलसिला अगर ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ शुरू नहीं हुआ है तो उनके जाते ही खत्म भी नहीं होने वाला। पार्टी की इस बदहाली पर किसी न किसी संयोग से बीच-बीच में परदा पड़ता रहा। महाराष्ट्र और झारखंड में इसका सत्ता में आ जाना ऐसा ही संयोग रहा, लेकिन परदा पड़ने से बीमारी ठीक नहीं होती। बीमारी का इलाज तो उसे समझ कर उसकी जड़ों पर चोट करने से ही होता है। अफसोस की बात है कि ऐसी कोई चर्चा अभी कांग्रेस में सुनाई नहीं दे रही।

# भारत की तारीफ, आतंक पर पाक को नसीहत

## मोटेरा में दिखी ट्रंप-मोदी की दोस्ती

डोनाल्ड ट्रंप के भारत दौरे की खबर को पाकिस्तानी मीडिया ने कवर तो किया लेकिन वहां के ज्यादातर अखबारों ने आतंकवाद पर ट्रंप के बयान को गायब कर दिया. अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ मिलकर उसकी जमीन से आतंकवाद फैलाने वाले ग्रुप का खात्मा करेगा. समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक पाकिस्तान के ज्यादातर अखबारों ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का जिक्र ही नहीं किया.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दो दिवसीय भारत दौर के पहले दिन अहमदाबाद पहुंचे. वहां उन्होंने मोटेरा स्टेडियम में 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम को संबोधित किया. अपने संबोधन में डोनाल्ड ट्रंप ने आतंकवाद पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत के साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ेगा. पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ एक्शन लेना होगा. पाकिस्तानी मीडिया ने ट्रंप की खबर को जगह तो दी लेकिन खबर में आतंकवाद वाली बात का जिक्र नहीं किया.

डोनाल्ड ट्रंप के भारत दौरे की खबर को पाकिस्तानी मीडिया ने कवर तो किया लेकिन वहां के ज्यादातर अखबारों ने आतंकवाद पर ट्रंप के बयान को गायब कर दिया. अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ मिलकर उसकी जमीन से आतंकवाद फैलाने वाले ग्रुप का खात्मा करेगा. समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक पाकिस्तान के ज्यादातर अखबारों ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का जिक्र ही नहीं किया.

अमेरिका राष्ट्रपति के भारत दौरे को लेकर ज्यादातर पाकिस्तानी मीडिया ने इस लाइन पर खबर बनाई कि अमेरिका पाकिस्तान के बीच बेहतर संबंध है और दोनों मिलकर इलाके में तनाव को कम करने का प्रयास करेंगे. पाकिस्तान अखबार डॉन ने ट्रंप के आतंकवाद के पूरे बयान का उल्लेख किया, जबकि द एक्सप्रेस ट्रिब्यूट, जिओ न्यूज, द न्यूज और डेली टाइम्स की वेबसाइट्स पर ट्रंप के आतंकवाद वाले बयान को गायब कर दिया गया.

### आतंकवाद पर डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा?

डोनाल्ड ट्रंप ने अहमदाबाद में 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम के दौरान कहा कि अमेरिका-भारत दोनों एक साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे, इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका लड़ाई लड़ रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति बोले कि हमारा देश इस्लामिक आतंकवाद का शिकार रहा है, जिसके खिलाफ हमने लड़ाई लड़ी है. अमेरिका ने अपने एक्शन में क़क़र को खत्म किया और अल बगदादी का खात्मा किया. डोनाल्ड ट्रंप बोले कि हम आतंक के खिलाफ कड़ा एक्शन ले रहे हैं, पाकिस्तान पर भी अमेरिका ने दबाव बनाया है.

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ एक्शन लेना होगा, हर देश को अपने सुरक्षित करने का अधिकार है. उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन पाकिस्तान के साथ मिलकर वहां से आतंकवाद फैलाने वाले ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है. ट्रंप

ने कहा कि भारत की अधिक जिम्मेदारी बनती है कि वह इस इलाके में आतंकवाद को कम करने के लिए आगे बढ़कर सहयोग करे.

## अनुच्छेद 370 हटाने के बाद पाक बौखलाया

बता दें कि भारत ने जब जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया तो पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया. उसने पहले भारत की इस कार्रवाई पर चिंता जताई. फिर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने इसे मुद्दा बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाया लेकिन उन्हें मुंह की खानी पड़ी. ज्यादातर देशों ने कश्मीर को भारत का आंतरिक मुद्दा बताकर पाकिस्तानी की अपील को नकार दिया. उसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया.

## जब ट्रंप दंपत्ति ने देखा ताजमहल तो मुंह से बरबस निकला 'वाह ताज'

हमारे देश में जब भी कोई विदेशी मेहमान आते है तो उनका अक्सर प्रेम के प्रतीक ताजमहल (ळँ) को देखने जाना होता है। तो उनके मुंह से जरुर 'वाह ताज' निकलता है। ऐसा ही एक वाकया आगरा में देखने को मिला जब दुनिया के महाशक्ति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (उङ्खल्लं'ि ळ१४स्न) अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप के साथ दिन की थकावट को दूर करने के लिये जैसे ही ताजमहल में दाखिल हुए तो देखते ही रह गए। दुनिया भर में जरुर डोनाल्ड ट्रंप ने अनेकों अदभूत जगह का दौरा किया होगा लेकिन सबसे अलग ताज को देखने के बाद उनके भाव तो देखने लायक ही था। एक आम प्रेमी जुगल विदेशी सैलानियों की तरह ही वे ताजमहल के परिसर में एक-एक पल को अपने नयनों में कैद करने की जद्दोजहद में जुटे हुए थे। ऐसा लग रहा था कि वे मुक्त हवा की तरह बस बहना ही चाह रहे है। उनके कदम के बढ़ते ही आगे-आगे चिड़िया चहचहाते हुए ट्रंप दंपत्ति के स्वागत में मानो झूमते नजर आ रहे थे। जब वे अपने सुरक्षाकर्मियों को पीछे छोड़ आगे बढ़े तो कहीं से भी नहीं अमेरिका के राष्ट्रपति लग रहे थे। बस वे तो एक एक सामान्य प्रेमी युगल की तरह पत्नी का हाथ थामकर चलते बने जैसे वर्षों पहले ही क्यों वे भारत नहीं आ सके। इसका खासा मलाल उनके चेहरे पर देखा जा सकता था। उन्हें अपने ताजमहल के यात्रा के सुखद अंत में यह जरुर संतोष हुआ होगा कि चलो आज ताजमहल भी देख लिया। राष्ट्रपति ट्रंप लगातार टूरिस्ट गाइड से हर वो चीज जानने को उत्सुक दिखे जो उन्हें सवालों का सैलाब बनकर कुछ देर पहले ही आया था। ताजमहल देखते हुए एक ठंडी आह लेकर समृद्ध भारतीय इतिहास को जानने का जो अवसर ट्रंप दंपत्ति को मिला उसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश से लगभग 13000 किमी की लंबी दूरी तय करके भारत पहुंचे थे। हालांकि उन्होंने अहमदाबाद के मोंटेरा स्टेडियम में पीएम नरेंद्र मोदी के स्वागत से जितने प्रभावित नजर आए उससे भी ज्यादा उत्साहित वे ताजमहल के दीदार करने पर महसूस किये। एक तरफ सूरज ढ़लने की ओर था तो ठीक उसी समय ट्रंप ताजमहल पहुंचे। उन्होंने पैदल चलकर ताजमहल का चक्कर लगाया। यह दृश्य हर किसी को आकर्षित कर रहा था।उन्होंने अपनी पत्नी साथ बैठकर फोटो भी खिंचवाई। उन्होंने ताजमहल को अलविदा यह करते हुए किया भले ही मेरे पास समय कम हो लेकिन जो तस्वीर आज हमारे मन में कैद हो गई है वो ताउम्र एक अच्छी याद की तरह जेहन में हमेशा के लिये तरोताजा रहेगी। शायद उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनकी इसी याद को हमेशा ताजा कराने के लिये जाते-जाते ताजममहल का शानदार तस्वीर पेश किये। जिसे उन्होंने बड़े ही प्रेम भाव से स्वीकार किया।

# मिशन 2020 : तो क्या तेजस्वी से डर गए हैं नीतीश कुमार !

## कम उम्र में भी विपक्ष की सफल भूमिका निभा रहे है लालू के लाल

**अखिलेश कुमार**

बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता और लालू प्रसाद यादव के छोट पुत्र तेजस्वी यादव भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास में सबसे कम उम्र के उप-मुख्यमंत्री थे। वर्तमान बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव जब 2015 के नवंबर महीने में बिहार के उप मुख्यमंत्री की शपथ ली थी तो इसको लेकर कई तरह के सवाल खड़े किए गए थे। कच्ची उम्र में बड़ी जिम्मेवारी मिलने के बाद राजनीतिक पंडित भी यह आकलन नहीं कर पाए थे कि क्रिकेट के मैदान से उठकर राजनीति के मैदान में कदम रखने वाला यह नौजवान लालू प्रसाद के इतने बड़े राजनीतिक विरासत को संभाल पाएगा!

सत्ता में कुछ दिन रहने के बाद महागठबंधन में टूट पड़ी गई और विपक्ष में बैठने के साथ ही विभिन्न जांच एजेंसी का सामना तेजस्वी यादव के लिए बड़ी चुनौती बनी। बाप का जेल जाना, केंद्रीय जांच एजेंसियों की छापेमारी और आय से अधिक संपत्ति के मामले में मुकदमे मे लगातार पूछताछ का सामना कर रहे तेजस्वी यादव के बारे में ऐसा अनुमान लगाया जा रहा था कि अब लालू प्रसाद की राजनीतिक विरासत बिखर जाएगा। इसी बीच परिवारिक कलह भी सामने आया। बड़े भाई और भौजाई के बीच विवाद के बाद तलाक मामला हो या फिर परिवार में आपसी तनाव की खबरें खुब सुर्खियां बटोर रही थी। इन खबरों के बीच राजद सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत बिगाड़ने की खबर इस परिवार के लिए चिंता का विषय बना। लेकिन इन सारे मुश्किलों का सामना करते हुए बिहार में अपने संघर्ष तथा सुझबुझ के बदौलत तेजस्वी यादव ने न केवल लालू प्रसाद यादव के वोट बैंक को समेट कर रखने में अभी तक सफल हैं, बल्कि जनाधार को बढाने का प्रयास करते हुए राज्य के ज्वलंत मुद्दों को जिस तरह से जनता के बीच जाकर उठा रहे हैं वह एक परिपक्व राजनेता के छवि को दशार्ता है। उनके 'बेरोजगारी हटाओ यात्रा' के दौरान सभाओं में जिस तरीके से भीड़ एकत्रित हो रही है वह उनके सफल राजनैतिक कार्य शैली का प्रमाण है, तथा इससे नीतीश कुमार और भाजपा की परेशानियां लगातार बढ़ रही है।

वर्ष 2015 में विधानसभा चुनाव के दौरान राष्ट्रीय जनता दल 80 सीटें हासिल कर बिहार में एक बार फिर सबसे बड़ी पार्टी के रूप मैं भरी थी। और जब नितीश कुमार 2017 में राष्ट्रीय जनता दल से गठबंधन तोड़कर भाजपा के साथ सरकार बनाएं तो जदयू के साथ-साथ भाजपा के तरफ से यह दावा किया जाता रहा कि राजद को जो सीटें मिली है वह जदयू के साथ गठबंधन का परिणाम है, और अब महागठबंधन हाशिए पर चली जाएगी। लेकिन पिछले वर्ष बिहार विधानसभा के हुए 5 सीटों पर उपचुनाव के परिणाम ने यह साबित कर दिया की महागठबंधन के नेता यदि इमानदारी पूर्वक तालमेल कर चुनाव 2020 का लड़े तो भाजपा जदयू गठबंधन के लिए घातक साबित होगा। अक्टूबर 2019 में हुए 5 बिहार विधानसभा के उपचुनाव में जनता दल यू को चार में मात्र 2 सीटें ही हासिल हो पाई। जबकि जदयू के दो विधानसभा सीटों पर राजद ने कब्जा जमा ली। वही एक शीट दरौंदा का निर्दलीय प्रत्याशी करणजीत सिंह ने अपने कब्जे में ले लिया। और और एक अन्य सीट पर ओवैसी के एआइएमआइए ने झटक ली। पिछले करीब 15 सालों से बिहार के सत्ता में रहे नीतीश कुमार सरकार के खामियों को जनता के बीच भुनाने का पूरा प्रयास तेजस्वी यादव कर रहे हैं। वह चाहे सृजन घोटाला का मामला हो, जल नल

योजना हो, मेधा घोटाला हो, बांध घोटाला हो, बिट्टी बालू का मामला हो या फिर शराबबंदी के बावजूद बिहार में खुलेआम बिक रहे शराब का मामला हो।

वर्तमान समय में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बिहार में बेरोजगारी हटाओ यात्रा पर हैं और इस दौरान वह कहना नहीं भूलते कि पलटू चाचा को केवल अपने रोजगार से मतलब है। बिहार के बेरोजगार नौजवानों की उन्हें कोई चिंता नहीं है। बस कुर्सी सुरक्षित रखने में परेशान हैं।

बिहार में हाल के दिनों में कानून व्यवस्था ढीली पड़ रही है। इस बात को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के अलावा राजग गठबंधन में शामिल लोकजनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान भी अपने बिहार यात्रा के दौरान उठा रहे हैं। नीतीश कुमार के अपने ही सहयोगी दल द्वारा इन मुद्दों को उठाए जाने से जनता के बीच तेजस्वी के आरोपों को बल मिल रहा है तेजस्वी यादव ने घोषणा की है कि यदि बिहार में हमारी सरकार बनती है तो हम बिहार की किसानों का कर्जा माफ कर देंगे। किसान बहुमूल्य राज्य के लिए यह बहुत बड़ी घोषणा है। हाल ही में बिहार में प्रकृतिक आपदा के कारण किसानों को भारी छाती उठानी पड़ी है और नुकसान को देखते हुए सरकार के तरफ से कोई उचित सहायता किसानों को नहीं उपलब्ध कराया गया है। पिछले बर्ष महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान जैसे राज्यों में भाजपा के विरोधी दल कांग्रेस ने किसानों को कर्ज माफी की घोषणा की थी और उन्हें सत्ता में वापसी भी मिली। इसको देखते हुए बिहार में राष्ट्रीय जनता दल द्वारा किसानों के कर्ज माफ की घोषणा करना काफी महत्व रखता है। और इस विषय पर भाजपा -जदयू की चुप्पी उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। मात्र 30 वर्ष के उम्र में बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष से तेजस्वी यादव ने विभिन्न बाधाओं का सामना करते हुए जिस तरह लालू प्रसाद यादव के माई समीकरण वाले जनाधार को समेट कर रखने में अभी तक सफल रहे हैं, यह कम नहीं है। हालांकि तेजस्वी यादव अपने भाषण तथा प्रेस कॉन्फ्रेंस में हमेशा यह कहते हैं कि राजद केवल माई समीकरण को लेकर ही नहीं चलता है, बल्कि हम समाज के हर वर्ग को सम्मान देते हैं, तथा सबके हितों को ख्याल रखा जाता है।

हालांकि बिहार में कई ऐसे वर्ग है जो भाजपा के साथ तो हैं लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति उनकी कफी नाराजगी है। अभी तक के राजनीतिक परिदृश्य से यह स्पष्ट हो रहा है कि भाजपा, जद यू तथा लोकजनशक्ति साथ मिलकर बिहार विधानसभा का आगामी चुनाव लड़ेंगे। और जो वर्ग नितीश कुमार सेन राज चल रहा है उस वर्ग को तेजस्वी यादव अपनी तरफ आकर्षित करने में कितना कामयाब होते हैं यह देखने वाली बात होगी। इसके साथ ही साथ महागठबंधन के बीच चल रहे मतभेद को सुलझाना भी एक बड़ा चुनौती है इन सभी चुनौतियों के बावजूद 30 वर्ष के तेजस्वी ने 69 साल के नीतीश और 68 साल के सुशील कुमार मोदी के जोड़ी को बिहार में जिस तरह से चुनौती देते हुए ललकार रहे हैं और अपने पार्टी के परंपरागत वोट को समेट कर रखतु हुए अन्य वोटों को अपने तरफ आकर्षित करने की दिशा में पढ़ रहे हैं वह नितीश कुमार और भाजपाके राजग गठबंधन के लिए परेशानी का सबब तो बन ही गया है। अब देखना यह है की क्रिकेट के मैदान से उठकर राजनीति मैदान में आए तेजस्वी यादव अपने पिता लालु यादव की अनुपस्थिति में बिहार विधानसभा ट्वेंटी ट्वेंटी राजनीतिक मैच को जितने में कहां तक सफल होते हैं।

# मध्यप्रदेश में भाजपा का ऑपरेशन कमल नहीं, कांग्रेस ने खुद सिर कलम कर लिया

**अजय कुमार**

मध्यप्रदेश में कांग्रेस के 22 विधायकों ने इस्तीफे के बाद चल रहे सियासी घटनाक्रम में भाजपा की भूमिका कम जबकि कांग्रेस की अधिक दिखाई पड़ती है। लोग भले ही इसे ऑपरेशन कमल कह रहे हो लेकिन यह कांग्रेस द्वारा खुद का हाथ काटना लग रहा है। हाल के वर्षों में दिग्विजय सिंह, कमलनाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया मध्यप्रदेश में कांग्रेस के तीन पावर सेंटर रहें । बावजूद 15 साल के बाद हाथ लगी सत्ता 15 महीने कांग्रेस संभाल न सकी। इसका सबसे बड़ा कारण केंद्रीय नेतृत्व का कमजोर होना माना जा सकता है जिसमें राजनीतिक दूरदर्शिता की भारी कमी दिखती रही।

कांग्रेस के हाथों में सत्ता आने के बाद मुख्यमंत्री कौन होगा इसको लेकर जद्दोजहद के बीच सत्ता के मुखिया कमलनाथ बने तो चाभी दिग्विजय सिंह के हाथों में रही। तीनों गुटों को मंत्रिमंडल में शामिल कर सामंजस्य बिठाने का प्रयास किया गया लेकिन लोकसभा चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया के हार के बाद प्रदेश की सियासत ने नया रुख अख्तियार किया।

सिंधिया समर्थक लगातार आरोप लगाते रहे कि महाराजा को हराने में मुख्यमंत्री का हाथ था तो वहीं दिग्विजय सिंह की सरकार में बढ़ती दखल और ज्योतिरादित्य सिंधिया की लगातार अनदेखी ने सूबे में कांग्रेस के लिए संकट खड़ा कर दिया। हालांकि अनुच्छेद 370 पर पार्टी लाइन से अलग बयान देकर सिंधिया ने यह जता दिया था कि वह खूंटे से बंधे रहने वाले नेता नहीं हैं। सिंधिया लगातार किसानों व शिक्षकों के साथ किये वादाखिलाफी को लेकर कमलनाथ सरकार को घेरते रहे। तो वहीं सीएम कमलनाथ ने भी ज्योतिरादित्य सिंधिया पर टिप्पणी से परहेज नहीं की। इसके बावजूद कांग्रेस आलाकमान ने इस मसले पर किसी तरह की सुलह की कोशिश नहीं की।

साल के दूसरे माह से राज्यसभा के चुनाव को लेकर मध्यप्रदेश की राजनीतिक सुगबुगाहट और भी बढ़ गयी। ज्ञात हो कि मध्यप्रदेश से कांग्रेस राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव लड़ने वाली है जिसमें एक सीट तो कांग्रेस के लिए आसान है जबकि दूसरे पर कांटे के मुकाबले का आसार हैं। ऐसे में कमलनाथ पहले सीट के लिए दिग्विजय सिंह जबकि दूसरे के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया को उम्मीदवार बनाना चाहते थें। जिसपर सिंधिया राजी नहीं हुए। सिंधिया कोई जोखिम उठाना नहीं चाहते थे।

इधर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की नजदीकियां थी जिसकी वजह से सिंधिया को दूसरे राज्य से राज्यसभा के टिकट का विकल्प दिया गया जिसे

साल के दूसरे माह से राज्यसभा के चुनाव को लेकर मध्यप्रदेश की राजनीतिक सुगबुगाहट और भी बढ़ गयी। ज्ञात हो कि मध्यप्रदेश से कांग्रेस राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव लड़ने वाली है जिसमें एक सीट तो कांग्रेस के लिए आसान है जबकि दूसरे पर कांटे के मुकाबले का आसार हैं। ऐसे में कमलनाथ पहले सीट के लिए दिग्विजय सिंह जबकि दूसरे के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया को उम्मीदवार बनाना चाहते थें। जिसपर सिंधिया राजी नहीं हुए। सिंधिया कोई जोखिम उठाना नहीं चाहते थे।

उन्होंने नकार दिया। सिंधिया को पता था कि ज्यादा दिन सत्ता व सियासत में हासिये पर रहने से समर्थक उनसे दूर हो सकते हैं ऐसे में उन्होंने बड़ा फैसला लेते हुए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया और पीएम मोदी व गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। 11 मार्च को औपचारिक तौर पर सिंधिया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के सामने भाजपा का दामन थाम लिया। सिंधिया के इस्तीफे के बाद मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनना तय माना जा रहा है। 16 मार्च से विधानसभा सत्र शुरू हो रहा है। ऐसे में आसार है कि सत्र के पहले दिन ही राज्यपाल सीएम कमलनाथ को बहुमत साबित करने को कह दें। अब प्रश्न यह भी उठता है कि क्या कांग्रेस दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह, कमलनाथ के पुत्र नुकूलनाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया के हाथों में मध्यप्रदेश की सत्ता को सौंपकर, दोनों वरिष्ठ नेताओं को केंद्रीय राजनीति में नहीं रख सकती थी ? इस पहल से कांग्रेस के युवा कार्यकर्ता व नेताओं का मनोबल भी बढ़ता साथ ही प्रदेश में नई पीढ़ी के नेताओं की खेप भी तैयार होती।

समूचे प्रकरण में कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व की निष्क्रियता ने यह भी साबित कर दिया कि मध्यप्रदेश में भाजपा ने आपरेशन कमल नहीं किया, कांग्रेस ने खुद का सिर कलम कर लिया।

# ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले- मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं इस परिवार ने मेरे लिए दरवाजे खोले

कांग्रेस का दामन छोड़ बीजेपी में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया का बीजेपी दफ्तर पर जोरदार स्वागत हुआ। यहां उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय, कुशाभाऊ ठाकरे, राजमाता सिंधिया और माधवराव सिंधिया की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधियाने कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा और शिवराज सिंह चौहान की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज मेरे लिए बेहद भावुक दिन है।

मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि इस परिवार ने मेरे लिए अपने दरवाजे खोले और मुझे पीएम मोदी, नड्डा साहब और अमित भाई का आशीर्वाद मिला। ज्योतिरादित्य ने कहा कि सिंधिया को ललकार कर गलती की गई। 1967 में मेरी दादी को ललकारा गया तो क्या हुआ? सरकार गिर गई। मेरे पिता पर हवाला के आरोप लगे तब क्या हुआ?भाजपा कार्यालय में सिंधिया

बोले दो तरीके के लोग हैं इस देश में। कइयों का मकसद राजनीति होता है और कइयों का मकसद जनसेवा होता है। मैं गर्व से कह सकता हूं कि अटलजी रहे हों या नरेंद्र मोदीजी हों, चाहे सिंधिया परिवार की सदस्य मेरी दादी राजमाता विजयाराजे सिंधिया रही हों, मेरे पूज्य पिताजी हों या मैं फिर मैं... हमारा लक्ष्य जनसेवा है और राजनीति उसका माध्यम है।

अपने परिवार के सियासी सफर पर सिंधिया ने कहा, जिस दल को पसीने और पूंजी के साथ मेरी दादी ने स्थापित किया। 36 साल की आयु में पहली बार जनसेवा का लक्ष्य बनाकर मेरे पिताजी चले, आज उसी दिल में ज्योतिरादित्य सिंधिया ये अपना दिल लेकर आया है। कार्यकताओं से कहना चाहता हूं कि आपके दिल में स्थान पाना ज्योतिरादित्य के जीवन का लक्ष्य होगा। विश्वास दिलाना चाहता हूं कि जहां आपका एक बूंद पसीना टपकेगा, वहां 100 बूंद पसीना टपकाऊंगा और अगर खून की जरूरत होगी तो वह भी बहाऊंगा।

# क्या 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में विकास पर हावी होगा जातिवाद का मुद्दा ?

बिहार में राष्ट्रीय जनता दल को यादवों की पार्टी कहा जाता है और इसका समर्थन मुसलमान भी करते हैं वहीं सत्तारूढ़ दल जनता दल यूनाइटेड की बात करें तो इसे कुर्मी-कोइरी जाति की पार्टी कहा जाता है.

पटना. क्या दिल्ली चुनाव के बाद दो हजार बीस में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव बिहार विधानसभा चुनाव में भी विकास का मुद्दा हावी रहेगा या फिर बिहार में इस बार भी ट्रेडीशनल तरीके से ही यानी जात-पात के आधार पर ही मतदान होगा. हम ऐसा इसलिए कह रहे है क्योंकि बिहार के प्रमुख राजनीतिक दलों की तैयारी अभी भी ट्रेडीशनल ही है.

## क्यों है बिहार में जाति का महत्व

पहले आपको बताते हैं कि बिहार की राजनीति में जाति का महत्व क्यों है. दरअसल बिहार में अगर भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी को छोड़ अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की बात करें तो राष्ट्रीय जनता दल को यादवों की पार्टी कहा जाता है और इसका समर्थन मुसलमान भी करते हैं. इसका वोट बैंक भी एमवाई समीकरण यानी मुस्लिम-यादव का ही माना जाता है वहीं सत्तारूढ़ दल जनता दल यूनाइटेड की बात करें तो इसे कुर्मी-कोइरी जाति की पार्टी कहा जाता है. इसकी आबादी बिहार में लगभग आठ से नौ फीसदी है वहीं 17 फीसदी दलितों की आबादी पर रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा ने नजरें गड़ा रखी हैं. इसके अलावा पूर्व केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा भी कुशवाहा जाति की राजनीति कर रहे हैं. इसकी आबादी बिहार में करीब चार फीसदी है यानी हम कह सकते है कि बिहार में विकास के साथ-साथ जात को साधना भी राजनीतिक महत्व रखता है,ऐसा सभी राजनीतिक दल भी मानते है.

## भाजपा ने कहा - नरेन्द्र मोदी के विकास ने तोड़ दी जातिवाद की कमर

अब अगर बात करें इन पार्टियों की तो चुनावी वर्ष में भी बिहार के राजनीतिक दल के सांगठनिक चुनाव तक पूरे नही हुए हैं. भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टी की प्रदेश कमिटी तक नहीं बनी है. बताया गया है कि कुछ दिन में ही प्रदेश भाजपा कमिटी बन कर तैयार हो जायेगी. चुकि चुनावी वर्ष है इसलिए कमिटी में भी जातियों का ध्यान रखा जा सकता है. भाजपा प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि बिहार में पिछले पन्द्र वर्षों से चुनाव विकास के मुद्दे पर ही हो रहे हैं. बिहार में भाजपा-जदयू की सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास की नहीं गाथा लिखी है. उन्होंने कहा कि बिहार में विकास की वजह से जातपात का मिथक तोड़ चुकी है.

## 2015 के विधानसभा चुनाव में किस पार्टी को मिला कितना वोट

1.ठउ्ब-कुल वोट 33 प्रतिशत था जिसमें भाजपा को 24.4, लोक जनशक्ति पार्टी को 4.8, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी को 2.4 और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा को 2.2 प्रतिशत वोट मिल थे. वढअ की बात करें तो यूपीए का कुल वोट 43 प्रतिशत था जिसमें राष्ट्रीय जनता दल को 18.4, जदयू को 16.8 और कांग्रेस को 6.7 प्रतिशत वोट मिले थे.

## 2015 में लालू के साथ रहे नीतीश इस बार भाजपा के साथ

पिछली बार यानी 2015 में लालू प्रसाद के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने वाले नीतीश कुमार इस बार भाजपा के साथ यानी एनडीए के साथ हैं और 2015 में ही एनडीए में शामिल हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा और उपेन्द्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी अब महागठबंधन यानी कांग्रेस और राजद के साथ खड़े हैं. कांग्रेस का भी कहना है कि कांग्रेस की जो प्रदेश कमिटी बनेगी उसमें सभी वर्ग का ध्यान रखा जाएगा. कांग्रेस के नेता राजेश राठौर ने कहा कि वैसे तो कांग्रेस जाति की नहीं बल्कि जमात की राजनीति करती है लेकिन जब कांग्रेस प्रदेश कमिटी का गठन होगा तो उसमें सभी वर्गों को शामिल किया जाएगा.

## राजद बनी संगठन में आरक्षण लागू करने वाली पहली पार्टी

दरअसल पिछले चौदह साल से सत्ता पर काबिज नीतीश कुमार को पता है कि सत्ता जातीय गोलबंदी से ही मिलती है. चुकि जदयू के पास यह आंकड़ा नहीं है इसलिये भाजपा से अलग होने के बाद उन्हें लालू प्रसाद से हाथ मिलाना पड़ा था क्योंकि लालू प्रसाद के पास एमवाई यानि यादव मुस्लिम के मिलाकर तीस(30) प्रतिशत वोट है लेकिन 2015 सत्ता में आने के डेढ़ साल बाद ही नीतीश कुमार को लालू प्रसाद और राजद से मोह भंग हो गया था. राजद नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि राजद देश की पहली पार्टी होगी जिसने संगठन में आरक्षण लागू किया है. राजद नेता ने कहा कि राजद को बाकि के राजनीतिक दल मुस्लिम-यादव की पार्टी बताते थे लेकिन सच्चाई यह है कि हमारी पार्टी में सभी वर्ग के लोग शामिल हैं.

## जदयू बोला

जदयू का कहना है कि बिहार में जातपात की राजनीति को इगनोर नहीं किया जा सकता लेकिन पिछले पन्द्रह वर्षों में नीतीश कुमार ने बिहार में विकास की जो बयार बहाई है इसके अलावा केन्द्र की मोदी सरकार ने विकास के जो काम किये हैं इसी वजह से 2019 के लोकसभा चुनाव में जात-पातसे उपर उठकर लोगों ने विकास के नाम पर वोट किया था. जदयू नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि बिहार अब जात-पात की राजनीति से उपर उठ चुका है.

## जातपात का गुना-भाग या विकास का जोड़ घटाव

बिहार विधानसभा के चुनाव में अभी आठ महीने का वक्त है. आने वाले वक्त में बिहार की राजनीति और परिस्थितियां और भी बदल सकती हैं तो यह देखना भी दिलचस्प होगा कि बिहार के चुनाव में जात-पात का गुणा-भाग चलता है या फिर जैसे जैसे चुनाव के दिन नजदीक आयेगें वैसे एनडीए की ओर से विकास का जोड़ घटाव जनता के सामने पेश किया जाएगा.

# बीजेपी के हुए ज्योतिरादित्य दोहरायेंगे अपनी दादी का इतिहास !

कांग्रेस पार्टी के साथ अपनी राजनीतिक जीवन की शुरूआत करने वाले ज्योतिरादित्य अब बीजेपी के हो गए है। विधिवत बीजेपी के सदस्य बन गए। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुए। इस मौके पर बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सिंधिया का बीजेपी में शामिल होते ही इस बात की चर्चा जोरों पर है कि अल्पमत में आई कमलनाथ सरकार अब गिर जायेगी और एमपी में शिवराज हो सकता है। बता दें ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार होली के दिन कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका दिया था। मुख्यमंत्री कमलनाथ से नाराज चल रहे सिंधिया ने मंगलवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। सिंधिया ने खुद ट्वीट कर अपने इस्तीफे की जानकारी दी थी। सिंधिया के इस्तीफे के बाद उनके खेमे के 22 कांग्रेसी विधायकों ने भी इस्तीफा दे दिया है। सिंधिया के साथ कांग्रेस के 22 विधायकों के इस्तीफे के साथ कमलनाथ सरकार अल्पमत में आ गई है।

## सिंधिया की दादी ने कांग्रेस को दिया था बड़ा झटका

एमपी के इस राजधराने ने कांग्रेस को दूसरी बार यह बड़ा झटका दिया है। 53 साल पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया की दादी विजयाराजे सिंधिया ने भी कांग्रेस सरकार गिरी दी थी। अब पोते ने राज्य सरकार को अल्पमत में पहुंचा दिया है।

## जब विजयाराजे सिंधिया ने गिरा दी थी कांग्रेस सरकार

1967 में मध्य प्रदेश में डीपी मिश्र मुख्यमंत्री थे। ग्वालियर में हुए छात्र आंदोलन को लेकर राजमाता विजयाराजे सिंधिया की मिश्र से अनबन हो गई थी। 1967 में ही विधानसभा और लोकसभा चुनाव होने थे। टिकट बंटवारे और छात्र आंदोलन के मुद्दे पर बात करने के लिए विजयाराजे पचमढ़ी में हुए कांग्रेस युवक सम्मेलन में पहुंची थीं। इस सम्मेलन का उद्घाटन इंदिरा गांधी ने किया था। इस दौरान सिंधिया ने छात्र आंदोलनकारियों पर गोलीबारी का मुद्दा उठाया और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर ग्वालियर के एसपी को हटाने की मांग की थी। लेकिन सीएम मिश्र ने विजयाराजे की बात नहीं मानी।

पचमढ़ी के घटनाक्रम के बाद सिंधिया ने चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस छोड़ दी। वह गुना के संसदीय सीट से स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर उतरीं और चुनाव जीता। चुनाव के बाद 36 विधायकों ने कांग्रेस छोड़ दी और सिंधिया ने इन विधायकों के समर्थन से गोविंद नारायण सिंह को सीएम बनवा दिया। तब एमपी में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी और डीपी मिश्रा को इस्तीफा देना पड़ा था।

## पिछले कई दिनों से सिंधिया ने कमलनाथ के खिलाफ खोल रखा था मोर्चा

दादी की तरह ही ज्योतिरादित्य ने अपनी पार्टी की कमलनाथ सरकार के खिलाफ पिछले कई दिनों से उन्होंने मोर्चा खोल रखा था। 14 फरवरी को टीकमगढ़ में अतिथि विद्वानों की मांगों पर ज्योतिरादित्य ने कहा कि यदि वचन पत्र की मांग पूरी नहीं हुई तो वे सड़क पर उतरेंगे। इस पर कमलनाथ ने जवाब दिया कि ऐसा है तो उतर जाएं। इसी के बाद दोनों के बीच तल्खी बढ़ने लगी। 9 मार्च को जब प्रदेश के हालात पर चर्चा के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी से मिलने दिल्ली पहुंचे थें, तभी 6 मंत्रियों समेत सिंधिया गुट के 17 विधायक बेंगलुरु चले गए थे। इससे साफ हो गया कि सिंधिया अपनी राहें अलग करने जा रहे हैं।

# राष्ट्रपति ने मुंगेर की मशरूम लेडी को 'नारी शक्ति पुरस्कार' से किया सम्मानित

**मुंगेर से सिद्धांत की रिपोर्ट**

मुंगेर जिले के टेटिया बंबर प्रखंड के तिलकारी गांव कृष्णकांत सिंह की पत्नी वीणा देवी (43 वर्ष) ने जब प्राकृतिक खेती की शुरूआत की तो उन्होंने यह नहीं सोचा था कि उनके काम को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी लेकिन अपने प्रेरक और उल्लेखनीय कार्य के दम पर अब वह पूरे देश की पहचान बन चुकी है मशरूम लेडी वीणा देवी ने बताया कि गरीबी और अभाव ने कभी उनके मनोबल और कुछ कर गुजरने की जज्बे को डिगने नहीं दिया वे अपने परिश्रम की बदौलत सफलता की सीढ़ियां चढ़ती गई वीणा देवी ने बताया कि वह अभी तक लगभग 10 हजार महिलाओं को मशरूम की उपज करने के लिए सीखा चुकी है प्रेरित चुकी है महिला किसानों की भी लेडी फार्मर ग्रुप बनाकर उन्हें किसानी के लिए प्रेरित कर रही है ।

वीणा देवी मशरूम की खेती के लिए विशेषकर जानी जाती हैं सन 2014 में बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर की स्थापना दिवस के अवसर पर तत्कालीन मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित हो चुकी हैं सन 2018 महिला किसान एवार्ड से भी वीणा देवी सम्मानित हो चुकी हैं ।

प्रकृति विधि से खेती को बढ़ावा देने के अलावा वीणा देवी अपने पति के सहयोग से वर्मी कंपोस्ट तथा जीवा अमृत बनाती हैं इतना ही नहीं वीणा देवी जिले में मशरूम महिला के रूप में जानी जाती हैं ।

युवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भाजपा प्रवक्ता श्री जयराम विप्लव ने बधाई दिया और मुंगेर-तारापुर के टेटिया बम्बर प्रखंड के तिलकारी गांव की वीणा देवी जी ने साबित कर के दिखाया कि यही है 'बिहारी मतलब कम संसाधन का स्वमं का विकास' ।

कृषि मंत्री डॉक्टर प्रेम कुमार ने वीणा देवी को 'अभिनव किसान पुरस्कार' से सम्मानित किया है, यह पुरस्कार उन्हें जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए मिला है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बधाई दिया और उन्हें नारी शक्ति का जीता जागता उदाहरण बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीणा देवी को दिया बधाई

उनके इस उपलब्धि पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीणा देवी से मुलाकात की वीणा देवी ने बताया कि प्रधानमंत्री जी ने मुझसे लगभग 25 मिनट बात किये जिसमें उन्होंने पूछा कि आप मशरूम की खेती कैसे कर रही हो मुझे विधि बताइये तो वीणा देवी ने मशरूम खेती की सारी विधि प्रधानमंत्री जी को बताया उनकी बात से प्रेरित होकर नरेंद्र मोदी जी ने वीना देवी से कहा कि आप इस खेती के लिए क्लास लजिये और दूसरी और भी महिलाओं को इस मशरूम की खेती लिए प्रेरित कीजिये और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ऑफिसियल ट्विटर एकाउंट पर वीणा देवी से मुलाकात की बात व उनसे किये वातार्लाप को टिवीटर एकाउंट पर पोस्ट किया है ।

## राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 'नारी शक्ति पुरुस्कार' से वीणा देवी को किया पुरुस्कृत

2020 में राष्ट्रपति के हाथों 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानित होकर उनके हौसले में पंख लग रहे हैं महिला दिवस पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वीणा देवी को नारी शक्ति पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र के साथ साथ ₹2 लाख रुपये देने की भी घोषणा की है ।

## कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी - मृत्युंजय कुमार सिंह (अध्यक्ष बिहार पुलिस एसोसिएशन )

# सत्य बोलो स्पष्ट बोलो को जीवन का ध्येय बना चुके हैं

**अनूप नारायण सिंह**

मृत्युंजय कुमार सिंह का जन्म आरा के खननी कला गांव में एक किसान परिवार में हुआ उनके पिता श्री रामाधार सिंह जी है उनकी माता स्वर्गीय विंध्यवासिनी देवी थी जिनका स्वर्गवास इन के बचपन में ही हो गया था।इनकी शिक्षा दीक्षा आरा में ही हुई। उन्होंने जैन कॉलेज आरा से इतिहास में एम.ए किया तत्पश्चात 1994 में पुलिस की नौकरी में आए।अपने बेहतर कार्य से नित्य नई ऊंचाइयों को छूते रहें उनकी पहली पोस्टिंग बिहार के नवादा जिले में हुई जहां इन्होंने तन मन से जनसेवा की और निरंतर आगे बढ़ते हुए समाज को अपने साथ लेकर चलते रहे नौकरी के दौरान पुलिस वालों को होने वाले कष्टों को देखकर इन का मन दुखी हो जाता था इतनी कठोर मेहनत के बाद भी ना कोई सुविधा नहीं खाना पीना हराम बस काम ही काम जब सब लोग अपने परिवार वालों के साथ होली दीवाली दशहरा मनाते है तब पुलिस वाले समाज सेवा में लगे रहते है इन सबके बावजूद इन को सुनने वाला कोई नहीं होता था। तभी एक दिन उनके मन में आया कि क्या इन लोगों की आवाज बनें और अपने सपनों को उन्होंने 2011 में बिहार पुलिस एसोसिएशन के इलेक्शन को जीतकर अमली जामा पहनाया अपने कुशल नेतृत्व में पुलिस वालों के साथ ही साथ आम जनता का भी मन जीत लिया दूसरी बार 10 जून 2015 को बिहार पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर भारी मतों से विजयी हुए।2019 के नवम्बर में तीसरी बार पुलिस एसोंसीएशन के अध्यक्ष भारी मतों से जीते ।कर्मियों की कई लाभकारी उद्देश्यों के प्रति भी उन्होंने सफलता हासिल की .इनके प्रयास से 13 माह का वेतन बिहार पुलिस एसोसिएशन के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है. वे कहते है कि बिहार पुलिस काम के बोझ से दबी हुई हैं हर जगह पुलिस वाले को जेम्स बांड बनाकर भेज दिया जाता है जबकि यह समस्या से ग्रस्त हैं ऐसे में आम समस्या का समाधान हो तो कौन करेगा या कोई नहीं देखता आज बिहार के कई चर्चित कांडों की जांच उद्भेदन अच्छे से पुलिस ने की है और वर्तमान में कर रहे है.आम जनमानस को आज भी पुलिसकर्मियों पर काफी भरोसा है कई बड़े कुख्यात अपराधी आज जेल की सलाखों के अंदर है.कई को सजा भी हो चुकी है ।देश के सबसे अच्छी पुलिस बिहार की है आज बिहार में सुशासन की बात होती है बेहतर राज की बात होती है.यह सब बेहतर पुलिसिंग के कारण ही. बिहार पुलिस तूफान हो धूप हो या कराके की ठंड हो । विषम परिस्थिति में रहते हैं बिहार पुलिस के जवान बलिदान की पीछे नहीं हटते हमें गर्व है बिहार पुलिस पर यह कहना है बिहार पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह का श्री सिंह कहते हैं कि हमें गर्व है कि हम बिहार पुलिस के एक सच्चे सिपाही और जनता के सच्चे सेवक हैं आज पुलिस कमीर्यो के अपने परिवारिक समस्या है इनके बच्चों की पढ़ाई हो या बुढ़े मां बाप की सेवा हो रिश्तेदार मित्रों या परिवारिक शादी में शामिल नहीं हो पाते अपने बच्चे के शादी के लिए भी छुट्टी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है जिससे पुलिसकर्मी मानसिक तनाव में आ जाते हैं पुलिस भी आम आदमी की तरह मनुष्य है और इसी समाज से आते हैं मूलभूत सुविधाओ जैसे रोटी कपड़ा और मकान पुलिसकर्मियों के पास अभाव में पुलिस की समस्याओं के समाधान के लिए काफी प्रयास की गई तथा समाधान हुआ है इसके लिए सरकार प्रयासरत है पुलिस कर्मियों में भी काफी बदलाव की जरूरत है आम जनता की बातों को अच्छे से सुने और उनका समाधान करें। राजनेता का परिवार को व आम जनता को एक नजर से देखें और उसका कार्य करें जिससे आम जनता का भरोसा बढ़ेगा. भारतीय संस्कृति के प्रबल समर्थक मृत्युंजय कुमार सिंह पांच भाइयों के भरे पूरे परिवार में सबसे दुलरुआ थे वह कहते हैं कि बचपन में मां को खो देने का दर्द ने उनके जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी सामाजिक दायित्वों के लिए सदैव तत्पर रहने वाले मृत्युंजय अपने पांच भाइयों में दूसरे नंबर पर हैं वह कहते हैं कि मैंने कभी भी भीड़ का हिस्सा बनने की चाहत नहीं रखी सकारात्मक सोच के साथ एक अलग पहचान बनाई क्षत्रिय को वह जाति नही एक संस्कार मानते हैं उनका कहना है कि क्षत्रिय संस्कार है विचार है धर्म है कर्म है व कर्तव्य है. जन्म और कर्म से क्षत्रिय है मृत्युंजय .खाली समय में किताब पढ़ने के शौकीन है. चिंतन पठन पाठन सामाजिक कार्यों में इन्हे सुकून मिलता है छात्र जीवन से ही यह देश विदेश की नीति सामाजिक बदलाव के प्रति जागरुक रहे है .वे कहते है पुलिस से समाज को ढेर सारी अपेक्षाएं है उसी प्रकार पुलिस को भी समाज से अपेक्षा रहती है अगर आम आदमी ससमय सूचना सत्य निष्ठा के साथ पुलिस को उपलब्ध कराएं तो किसी भी घटना का उद्भेदन यथाशीघ्र किया जा सकता है .पटना में प्रतिवर्ष उनके द्वारा मनाए जाने वाले महाराणा प्रताप जयंती में सभी जाति के कर्मठ लोगों को सम्मानित किया जाता है यह एक परंपरा को जीवित रखने का प्रयास है. जिसमें जाति-पाति धर्म संप्रदाय से ऊपर उठकर समतामूलक समाज की स्थापना करने की ललक हैं. उनका कहना है व्यक्ति गलत हो सकता है पर कोई जाति या समाज गलत नहीं हो सकता वर्ष 2007 से 2010 तक मृत्युंजय कुमार सिंह एस टी एफ मे रहे इस दौरान कई बड़े नक्सलियों के खिलाफ अभियान में भाग लिया रिकॉर्ड 13 एनकाउंटर इन के खाते में दर्ज है ।नीतीश कुमार के दहेज विरोधी और शराबबंदी अभियान के बहुत पहले ही लगभग 8 वर्ष पहले इन्होंने विद्यापति भवन में आयोजित महाराणा प्रताप जयंती में ही अपने समाज के लोगों से यह संकल्प दिलवाया था कि दहेज समाज के लिए कैंसर हम किसी व्यक्ति के साथ अगर संबंध जोड़ते हैं तो दहेज एक ऐसा रोग है जिस से उस संबंधी व्यक्ति की कमर टूट जाती है. शिक्षा के महत्व पर उनका कहना है कि ज्ञान शाश्वत है।क्षत्रिय महासभा बिहार के मुख्य संरक्षक और राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय कमेटी के सदस्य मृत्युंजय कुमार सिंह को इस बार राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।कई समाजिक संगठनो से भी जुड़े है जिसमें इंटरनेशनल लायंस और रोटरी क्लब मुख्य है।राष्ट्रभक्ति और सनातन संस्कृति को जीवन में काफी महत्व देते है ।भागवत गीता को जीवनशैली में ढाल कर समाज को उस पथ पर चलने को प्रेरित करते है।एक लेखक के रूप में उनका चेहरा सामने आया है । अपनी लेखनी को फुर्सत के पल में नाम के साथ हर जीवन से जुड़े बिंदुओं को बहुत गहराई के साथ लिखते है ।जिसको वर्तमान समय में काफी प्रशंसा मिल रही है ।महाराणा प्रताप और विवेकानंद के विचारों को अपना आदर्श बनाए है।आज के परिपेक्ष में उनका कहना है कि साधन के प्रयास से पुलिस का स्वरूप बदला है पहले से सुविधाएं बेहतर हुई है इन्हे बिहारी होने का गर्व है वह कहते हैं कि देश के इतिहास से बिहार के इतिहास को अलग नहीं किया जा सकता ऋषि मुनियों मनीषियों विद्वानों भगवान महावीर गौतम बुद्ध आर्यभट्ट चाणक्य जनक नंदिनी सीता गुरु गोविंद सिंह डॉ राजेंद्र प्रसाद रामधारी सिंह दिनकर बाबू वीर कुंवर सिंह जैसे इतिहास पुरुषों की जननी रही है बिहार की धरती देश में कई क्रांतियों का सूत्रपात बिहार के इस पवित्र धरती से हुआ है आज पूरे देश ही नहीं विदेशों में भी बिहारी प्रतिभा का डंका बज रहा है.पटना मे अपने अथक प्रयास से इन्होने क्षत्रिय भवन की स्थापना करवायी है।

# बिहार के सुनहरे वर्तमान के लिए युवाओं को आगे आने की जरूरत : विकास वैभव

युवाओं के योगदान के बिना सामाजिक परिवर्तन संभव नहीं है। बिहार जैसे उर्वर भूमि में ज्ञान-विज्ञान सदैव उन्नत रहा है। बिहारी काफी कर्मठ मेहनती और ईमानदार होते हैं। इन्हें सही दिशा देने के लिए उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता है। इसलिए गौरवमयी अतीत पर सुनहरे वर्तमान लिए बिहार को विकसित करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। ये बातें आज राष्ट्रीय युवा जागरूक संगठन नंदनी एजुकेशन ट्रस्ट, अरनव मीडिया एंड इंटरटेंमेंट के संयुक्त तत्वाधान में राजधानी पटना के श्री कृष्ण विज्ञान केन्द्र सभागार में ह्यबिहार के अतीत, वर्तमान व भविष्य तथा युवाओं की भूमिकाह्न विषय पर आयोजित सेमिनार एटीएस डीआईजी विकास वैभव ने कहीं। इस दौरान उन्होंने पलायन, बाढ़, सुखाड़ और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भी खुलकर चर्चा की और बिहार के सुनहरे वर्तमान के लिए अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी पर बल दिया।

इस सेमिनार में को गुरु डॉ. एम रहमान, बिहार यूथ बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष भूषण कुमार सिंह बबलू, समाजसेवी ओम कुमार सिंह, बिहार विरासत के निदेशक डॉ. अनंत आशुतोष द्वेदी, अभिषेक कुमार, बिहार विद्यापीठ के निदेशक संजीव श्रीवास्तव, विकास चंद्र गुड्डू बाबा, रजनीकांत पाठक, धनंजय कुमार सिन्हा, विनोद कुमार दास, कामायनी स्वामी, डॉ. विजय राज सिंह, अनुज कुमार सिंह और सौरभ भारती पासवान ने भी संबोधित किया और बिहार के निर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में विस्तार से चर्चा की।

वहीं, इस कार्यक्रम के दौरान युवा कर्म कौशल सम्मान से पत्रकार अमिताभ ओझा, आशुतोष कुमार, रजनीश सिन्हा, रजनीश कुमार, संतोष सिंह, कौशलेंद्र प्रियदर्शी, प्रशांत कुमार, सविता कुमारी, मनीष मिश्रा, रंजन सिन्हा, राजन कुमार सिन्हा, स्पेक्ट्रम एकेडमी के प्रमुख दिलीप कुमार मिश्रा, एमके झा, एम सिविल सर्विसेज के प्रमुख मुन्ना, बैकिंग गुरु शशि शरण, शुक्रिया वशिष्ठ के संस्थापक मुकेश कुमार सिंह, कूस्तुभ अपाया कंस्ट्रक्शन के ई. शशांक सागर, ज्योतिषाचार्य रूपेश कुमार पाठक, मधेपुरा के आयुर्वेद चिकित्सक डॉ राजेश कुमार सिंह, डॉक्टर राणा एसपी सिंह, डॉ प्रभात रंजन, नीरज कुमार, सरदार गुरमीत सिंह, मुकेश हिसारिया, सुजीत रमन सिंह, विजय यादव, आकांक्षा चित्रांश साईं की रसोई बेगूसराय के गुड्डू सिंह, राधा कृष्ण बिल्डर के प्रमुख संजय प्रताप सिंह, बी फार नेशन कमाल अख्तर, उम्मीद एक किरण किरण अपनी माटी के प्रमोद कुमार राय, बगहा में वृक्षारोपण के सूत्रधार गजेन्द्र यादव, पटना के गुमनाम मसीहा विवेक विश्वास, समाजसेवी अंजु रोमा खिलाड़ी श्वेता शाही, नचिकेता वत्स, राहुल कुमार (सारण, रग्बी,प्लेयर), मनोज कुमार (मुखिया, भुतही पंचायत,सीतामढ़ी) व नेक्स्ट जेन के कुमार प्रभंजन, रक्तबीज शिखा मेहता को विविध विधाओं में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन इंजीनियर कुमार राहुल, विकास कुमार शाही और कन्हैया भारद्वाज ने किया है, जबकि मंच संचालन अनूप नारायण सिंह ने किया। इससे पहले आगत अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर दिया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन भूषण कुमार सिंह बबलू ने किया।

बिहार के इस जिले के डीएम ने जो किया वह वाक्य तारीफ के काबिल है

# अपनी कुर्सी पर सरकारी स्कूल की छात्राओं को बैठाकर लोगों से रूबरू करवाया

मीट योर कलेक्टर कार्यक्रम में सीतामढ़ी के डीएम अभिलाषा कुमारी शर्मा ने सरकारी स्कूल की बच्चियों की हौसलों को दी नई उड़ान महिला दिवस के एक दिन पूर्व डीएम-एसपी बनाकर उन्हें अपनी कुर्सी पर बैठाकर महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश।

मीट योर कलेक्टर कार्यक्रम में आई सरकारी स्कूल की बच्चियों को डीएम ने न सिर्फ उन्हें डीएम-एसपी की कुर्सी पर बैठाया बल्कि कुछ समय के लिए पद की जबाबदेही एवम कार्यो से रूबरू होने का अवसर भी दिया।

फिल्मों की दुनिया में अक्सर ऐसा देखा जाता है लेकिन आज सीतामढ़ी के समाहरणालय में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। जब सरकारी स्कुल के छात्राओं को सीतामढ़ी के डीएम अभिलाषा कुमारी शर्मा ने कुछ घण्टो का डीएम और एसपी बना दिया।

बता दें कि सीतामढ़ी की डीएम अभिलाषा कुमारी शर्मा ने आने वाले राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर सरकारी स्कूल मे पढ़ने वाली बच्चियो का मनोबल बढ़ाने एवम उनके सपनों की उड़ान को नई पंख देने के लिए मंगलवार को घंटो उनके साथ समय बिताये। इस दौरान डीएम ने बच्चियो का हौसला बढ़ाया और वे आगे कैसे पढ़े इसका मूल मंत्र दिया।

उसके बाद एसपी कार्यालय में पहुँची छात्राएं जब पुलिस पदाधिकारियो के खिलाफ कार्यालय कक्ष मे ही शिकायत लेकर कई फरियादी पहुँचे तो नई बनाई गई एसपी ने थानाध्यक्ष को फोन लगाया और उन्हे ठीक तरिके से काम करने की नसीहत तक दे डाली।

आगे जो हुआ वह काफी वाक्य था जब एक दिन के एसपी ने थानाध्यक्ष को रिश्वत लिये जाने पर सस्पेंड करने की चेतावनी दे डाली !

कुछ समय के लिए इन बच्चियों के हौसले को बल मिला और उनके सपने आसमान छू लेने को आतुर दिख रहे थे !

# राष्ट्रपति पुलिस वीरता पदक से सम्मानित

राजधानी पटना में पुलिस सप्ताह का अंतिम कार्यक्रम बीएमपी-5 स्थित मिथिलेश स्टेडियम में आयोजित किया गया। सबसे पहले डीजीपी को सलामी दी गई। इसके बाद नव सृजित अनुसूचित जाति की लडकियों का महिला बटालियन कसम पैरेड में भाग लिया।इसके बाद मुजफ्फरपुर के आईजी गणेश कुमार और मुंगेर के डीआईजी मनु महाराज, बांका के एसपी अरविन्द गुप्ता, फुलवारी शरीफ थाना के पूर्व इन्स्पेक्टर धर्मेन्द्र कुमार, इंस्पेक्टर सुरेन्द्र कुमार को राष्ट्रपति पुलिस वीरता पदक से सम्मानित किया गया।

इन बहादुर पुलिस ऑफिसरों को पूर्व में ही राष्ट्रपति पुरस्कार गलेंट्री मेडल मिला था।पुलिस पदक और प्रशास्त्री पत्र से सम्मानित होने पर जोरदार तालियों से पुलिस आफिसरों की हौसला अफजाई की गयी। इनके आलावा अन्य कई पुलिस आफिसरों को उनके बेहतर काम के लिए पुरस्कृत किया गया।एसपी ट्रेनिंग,पुलिस ट्रेनिंग के 4 अधिकारी सहित कई दूसरे पुलिस अधिकारियों व सिपाहियों को भी उनके बेहतर काम के लिए पुरस्कृत किया गया।इस समारोह में ही कई स्कूलों के स्टूडेंट्स को भी सम्मानित किया गया।

वीरता पदक से सम्मानित पुलिस आफिसरों में गणेश कुमार तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मोतिहारी जिन्होंने केसरिया थाना अंतर्गत दरमाहा गाँव में उग्रवादियों से मुठभेड़ में उग्रवादियों को मार गिराने,दस उग्रवादियों को गिरफ्तार करने के साथ ही एसएलआर रायफल एंव अन्य सामानों को बरामदगी किया था।

डीआईजी मुंगेर मनु महाराज,तत्कालीन पटना के एसएसपी रहते हुए मनेर 30 मार्च 2014 को मनेर के दियारे में नौ अपराध कर्मियों की गिरफ्तारी के लिए 2016 राष्ट्रपति पुरस्कार से अलंकृत किया गया। इस्पेक्टर सुरेंदर कुमार,अवर निरीक्षक संजय कुमार सिंह को भी मनेर के दियारे कांड में ही राष्ट्रपति पुरस्कार से अलंकृत किया गया था।

फुलवारी शरीफ थाना के पूर्व थानेदार रहे इन्स्पेक्टर धर्मेन्द्र कुमार तत्कालीन पुलिस अवर निरीक्षक पटना पुलिस जिला बल और वर्तमान में गया जिला पुलिस बल को पटना के आलमगंज थाना क्षेत्र में व्यवसायी के साथ लूटपाट और हत्या की योजना बनाते समय हुए मुठभेड़ के दौरान एक अपराधी को मार गिराने के लिए वर्ष 2016 में राष्ट्रपति पुलिस वीरता पदक से अलंकृत किया गया।

निलेश कुमार को सराहनीय सेवा के लिए सम्मानित किया गया। विनय कुमार शर्मा तत्कालीन पुलिस अवर निरीक्षक रोहतास को 13 अप्रैल 2008 को राजपुर थाना क्षेत्र में कुख्यात अपराधकर्मी विश्वनाथ राजभर को मार गिराने और कई हथियार बरामद करने के लिए 2018 में राष्ट्रपति वीरता पदक से अलंकृत किया गया।

# रूस-सऊदी का झगड़ा भारत के लिए खतरा या फायदे का सौदा?

कोरोना वायरस की दहशत और सुस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था के बाद अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत तेजी से गिरी है. खाड़ी युद्ध के बाद ये पहली बार है जब तेल के दाम में इस कदर गिरावट आई है. सोमवार को कच्चे तेल की कीमत में 30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई. इसका असर भारत समेत दुनिया भर के शेयर बाजारों पर भी पड़ा. तेल की कीमतों में आई गिरावट की कई वजहें हैं और इसके कई दूरगामी प्रभाव भी होंगे.

## इसकी वजहें क्या हैं?

तेल की कीमत में गिरावट की तात्कालिक वजह है ओपेक और रूस के बीच तेल के उत्पादन कम करने को लेकर समझौता न हो पाना.रूस और सऊदी अरब के झगड़े ने काम बिगाड़ा ओपेक तेल निर्यातक देशों का समूह है जिसमें सऊदी अरब का दबदबा है. रूस इसका सदस्य नहीं है लेकिन वो और सऊदी अरब हमेशा से मिलकर आपूर्ति के हिसाब से तेल के उत्पादन घटाते-बढ़ाते थे.

यही वजह थी कि रूस को मिलाकर ओपेक को 'ओपेक प्लस' के नाम से भी जाना जाता था. लेकिन

**तेल की कीमत में गिरावट की तात्कालिक वजह है ओपेक और रूस के बीच तेल के उत्पादन कम करने को लेकर समझौता न हो पाना.रूस और सऊदी अरब के झगड़े ने काम बिगाड़ा ओपेक तेल निर्यातक देशों का समूह है जिसमें सऊदी अरब का दबदबा है. रूस इसका सदस्य नहीं है लेकिन वो और सऊदी अरब हमेशा से मिलकर आपूर्ति के हिसाब से तेल के उत्पादन घटाते-बढ़ाते थे.**

इस शुक्रवार को वियना में हुई बैठक में रूस और सऊदी अरब के बीच समझौता नहीं हो पाया. सऊदी अरब चाहता था कि तेल का उत्पादन कम किया जाए लेकिन रूस इसके लिए राजी नहीं हुआ. एनर्जी एक्सपर्ट और ब्रिक्स बिजनस काउंसिल के प्रमुख नरेंद्र तनेजा का मानना है कि रूस और सऊदी के बीच असहमति की वजह पिछले कुछ वक़्त से दोनों देशों में चल रहा मनमुटाव और सऊदी अरब का अपनी प्राथमिकताओं को आगे रखना और इसके एजेंडे का ज्यादा व्यक्तिगत होना है. तनेजा के मुताबिक रूस अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी हिस्सेदारी का विस्तार करना चाहता है और दोनों देशों के बीच असहमति की एक वजह ये भी है. वहीं, मध्य पूर्व मामलों के जानकार और वरिष्ठ पत्रकार हरेंद्र मिश्र रूस के अपने फैसले से पीछे न हटने की एक और वजह बताते हैं.

उन्होंने बीबीसी से बातचीत में कहा, "रूस की अर्थव्यवस्था अब काफी हद तक तेल पर आधारित हो चुकी है. इतना ही नहीं, वहां तेल कंपनियों का काफी दबदबा है और वो तेल उत्पादन कम न करने के लिए राजनीतिक दबाव बना रही हैं. यही कारण है कि रूस अपने फैसले पर अड़ा हुआ है."

## डोनाल्ड ट्रंप और अमरीका की भूमिका

नरेंद्र तनेजा बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों से तेल की कीमतों पर अमरीका का खासा प्रभाव रहा है. इसकी वजह ये है कि डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आते ही शेल तेल का उत्पादन काफी बढ़ गया. शेल तेल का उत्पादन अमरीका में कुटीर उद्योग के तहत होता है. वहां छोटे कारोबारी इसका उत्पादन करते हैं. शेल तेल के उत्पादन की वजह से अमरीका ने एक तेल निर्यातक देश के तौर पर अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली. इतना ही नहीं, अमरीका ने अपनी कूटनीतिक ताकत का इस्तेमाल कर-के अपने यहां से तेल आयात करने वाले देशों की संख्या भी बढ़ा ली. अब चीन, जापान और भारत जैसे देश जो पारंपरिक रूप से सऊदी अरब या रूस से तेल खरीदते थे, अब वो अमरीका के पास चले गए हैं.

तनेजा कहते हैं, "जाहिर है, रूस को ट्रंप की यह नीति रास नहीं आ रही है. इसलिए वो किसी न किसी तरह से अमरीका की स्थिति कमजोर करना चाहता है."

दूसरी तरफ, शेल तेल की एक खामी ये है कि इसके उत्पादन में लागत बहुत ज्यादा आती है. अगर तेल की कीमतें इसी तरह गिरती रहीं और 50 डॉलर से नीचे चली गईं तो शेल तेल के छोटे अमरीकी कारोबारियों को भारी घाटा झेलना पड़ेगा और वो घाटा बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं हैं.

नरेंद्र तनेजा के मुताबिक, "तेल की कीमतों में भारी गिरावट जारी रहने से शेल तेल की कंपनियां ठप भी हो सकती हैं. इसका नतीजा आर्थिक नुकसान और बेरोजगारी के रूप में देखने को मिलेगा. इतना ही नहीं, इसका असर अमरीका के आगामी राष्ट्रपति चुनाव पर भी पड़ेगा क्योंकि हालात डोनाल्ड ट्रंप के प्रतिकूल हो जाएंगे. यानी स्पष्ट है कि इसमें रूस की राजनीतिक रणनीति भी शामिल है."

नरेंद्र तनेजा के मुताबिक, ₹तेल की कीमतों में भारी गिरावट जारी रहने से शेल तेल की कंपनियां ठप भी हो सकती हैं. इसका नतीजा आर्थिक नुकसान और बेरोजगारी के रूप में देखने को मिलेगा. इतना ही नहीं, इसका असर अमरीका के आगामी राष्ट्रपति चुनाव पर भी पड़ेगा क्योंकि हालात डोनाल्ड ट्रंप के प्रतिकूल हो जाएंगे. यानी स्पष्ट है कि इसमें रूस की राजनीतिक रणनीति भी शामिल है.₹

इन सबके अलावा लड़ाई 'तेल का बादशाह' बनने की भी है. अब तक सऊदी अरब को तेल की दुनिया का बादशाह माना जाता था लेकिन पिछले छह महीने से राष्ट्रपति ट्रंप अमरीका को 'तेल का बादशाह' बता रहे हैं.

तनेजा कहते हैं, "ये रूस और सऊदी अरब का आपसी मसला भी है. एक तरफ जहां रूस, सऊदी अरब को ये संदेश देना चाहता है कि वो उसे हल्के में न ले वहीं, सऊदी अरब, रूस को 'मोलभाव' तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा है.कोरोना फैक्टर

तेल के दामों में गिरावट के पीछे दुनिया भर में कोरोना वायरस की दहशत भी है.

कोरोना संक्रमण की वजह से ट्रैवल और एयरलाइन इंडस्ट्री को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है. लोग खुद भी यात्रा करने से घबरा रहे हैं, साथ ही कई देश आगे बढ़कर लोगों की आवाजाही पर पांबदी लगा रहे हैं.

ताजा उदाहरण कतर का है, जिसने भारत समेत 14 देशों के लोगों के प्रवेश पर अस्थायी रूप से पाबंदी लगा दी है. कोरोना से चीन की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान पहुंचा है और इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है.

नरेंद्र तनेजा का मानना है कि अभी जो कुछ हो रहा है, उसकी भूमिका कोरोना संक्रमण ने ही बनाई. क्योंकि कोरोना की वजह से बाजार में हड़कंप मचा, मांग कम

हुई और कीमतें ज्यादा होने लगीं. इसके बाद रूस और सऊदी की असहमति ने स्थिति को और गंभीर बना दिया. क्रेडिट रेटिंग एजेंसी केयर रेटिंग्स के प्रमुख अर्थशास्त्री मदन सबनवीस भी मानते हैं कि मौजूदा हालात के लिए कोरोना वायरस की दहशत ने ट्रिगर का काम किया है. उन्होंने कहा, "जब भी लोगों को वैश्विक सुस्ती या मंदी का डर सताता है, ऐसा होता ही है."

## तो क्या भारत में तेल सस्ता होगा?

ये बात तो जाहिर है कि तेल की कीमतों में गिरावट से निर्यातक देशों का नुकसान होगा. लेकिन क्या इसका मतलब है ये कि तेल की कीमत का गिरना भारत जैसे आयातक देशों के लिए फायदेमंद है? क्या अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम घटने से भारत में भी तेल के दाम घटेंगे? इस बारे में सबनवीस कहते हैं कि अगले कुछ वक़्त में ये भारत जैसे देशों के लिए थोड़ा फायदेमंद जरूर साबित हो सकता है.

उन्होंने कहा, "तेल की कीमतें कम होने से भारत का व्यापार घाटा थोड़ा कम हो सकता है और इसका भारतीय रुपये पर भी सकारात्मक असर हो सकता है. लेकिन हमें ये भी ध्यान रखना चाहिए कि भारत में केंद्र और राज्य दोनों सरकारें उत्पाद शुल्क और वस्तु सेवा कर (वैट) से अच्छा खासा रेवेन्यू कमाती हैं. भारत में पेट्रोल और डीजल जीएसटी के तहत भी नहीं आते इसलिए जब भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम गिरते हैं, सरकार के रेवेन्यू पर नकारात्मक असर पड़ता है. यही वजह है कि तेल के दाम बढ़ने से रेवेन्यू पर असर न पड़े इसलिए सरकारें पेट्रोल और डीजल पर टैक्स भी बढ़ा देती हैं." सबनवीस कहते हैं, "सीधे शब्दों में कहें तो तेल के दाम घटने से सरकार को कुछ फायदा जरूर होगा लेकिन वो फायदा आम जनता तक पहुंचेगा या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है."

## 'तो भारत को नुकसान होगा...'

एनर्जी एक्सपर्ट नरेंद्र तनेजा मानते हैं कि अगर तेल के दाम तीन महीने के बाद भी इसी तरह गिरते रहे तो भारत जैसे आयातक देशों के लिए भी नुकसानदेह होगा.

उन्होंने कहा, "भारत 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है. इसलिए दाम घटने पर उसे कुछ समय तक फायदा तो जरूर होगा. कुछ वक़्त के लिए ये भारत की अर्थव्यवस्था, वित्तीय घाटे और चालू खाते के घाटे के लिए अच्छा होगा. लेकिन ज्यादा समय तक यही स्थिति बरकरार रही तो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंका मंडराने लगेगी."

तनेजा का मानना है कि ज्यादा समय तक दाम में गिरावट का असर उन एक करोड़ के करीब भारतीयों पर भी पड़ेगा जो ओमान, कतर, बहरीन, सऊदी अरब और यूएई जैसे खाड़ी देशों में रहते हैं.

उन्होंने कहा, "सभी खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था तेल पर आधारित है. तेल के दाम लगातार कम होने से वहां कंपनियां बंद होने, बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंका होगी. इसका प्रभाव वहां रहने वाले भारतीयों पर पड़ेगा, भारत भेजी जाने वाली उनकी कमाई पर पड़ेगा और इन देशों में भारत के निर्यात पर भी पड़ेगा. यानी जाहिर है कि इसके दूरगामी परिणाम पूरी दुनिया के लिए नकारात्मक ही होंगे. इसलिए भारत के लिए भी यही अच्छा होगा कि दुनिया की अर्थव्यस्था ठीक रहे, खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था ठीक रहे."

## भारत में तेल सस्ता क्यों नहीं होगा?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने पर भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ जाते हैं. तो फिर कच्चे तेल के दाम कम होने पर पेट्रोल-डीजल के दाम कम क्यों नहीं हो रहे हैं?

इस सवाल के जवाब में तनेजा कहते हैं, "सरकार को हर चीज को संपूर्णता में देखना पड़ता है. तेल की कीमत हमेशा कम रहने वाली नहीं है. ये जितनी जल्दी नीचे गिरी उतनी ही जल्दी इसमें उछाल भी आ सकता है. भारत सरकार तेल की कीमत का नियमन दुनिया की अर्थव्यवस्था, राजनीति और कूटनीति...इन सबको ध्यान में रखकर करती है."

तनेजा के अनुसार, "सरकार तेल के अर्थशास्त्र को सालाना आधार पर आंकती है न कि किसी खास एपिसोड के आधार पर. अभी जो हो रहा है, वो एक एपिसोड है. ये स्थिति साल भर नहीं रहने वाली है, इसलिए सिर्फ. इसके बिनाह पर दाम अचानक से घट जाएं, ऐसा मुमकिन नहीं है."

## भविष्य कैसा होगा?

इस उठापटक के बीच तेल और अर्थव्यवस्था का भविष्य कैसा दिखता है?

अर्थशास्त्री मदन सबनवीस का मानना है कि कोरोना की वजह से जो नुकसान हुआ है उसे तुरंत ठीक नहीं किया जा सकता. उन्होंने कहा, "इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना की वजह से अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है. ऑटोमोबाइल, ट्रैवल और एयरलाइन इंडस्ट्री बुरी तरह प्रभावित हुई है और सप्लाई चेन पर भी असर पड़ा है. हालात पटरी पर आने में कम से कम एक साल का वक़्त तो लगेगा."

सबनवीस कहते हैं कि ऑयल इंडस्ट्री में एक रिस्क फैक्टर हमेशा से रहा है और पिछले दशक से यह रिस्क बढ़ा है. एक महत्वपूर्ण बात ये भी है कि बहुत से देश अब कच्चे तेल का इस्तेमाल संभलकर कर रहे हैं. वो नवीकरणीय ऊर्जा (रेन्यूएबल एनर्जी) के स्रोत ढूंढ रहे हैं. इसलिए 10 वर्षों में अर्थव्यवस्था उस तरह से तेल पर आधारित नहीं होगी जैसी आज है या जैसी पहले हुआ करती थी.

# मातृभूमि की सेवा का संकल्प लिए लंदन से पढ़ाई कर बिहार लौटी दरभंगा की बेटी पुष्पम

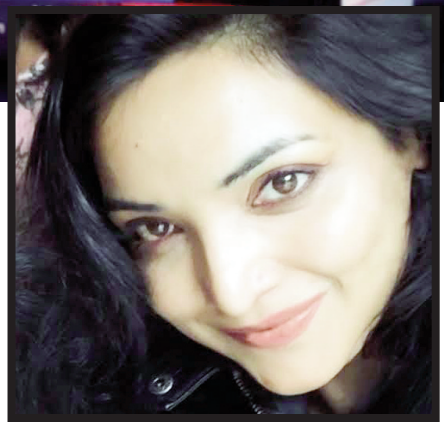

तमाम सामाजिक बाधाओं को लाँघते हुए भारत की बेटियों ने अलग-अलग पेशेवर क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों को हासिल कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। भारत में नारी शक्ति और महिला सशक्तिकरण का एक स्वर्णिम इतिहास रहा है। इन महिलाओं ने अपने जीवन की विपरीत परिस्थितियों से लड़ते हुए अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प को परिचय दिया है। चाहे वो ढिंग एक्सप्रेस के नाम से मशहूर धावक हिमा दास हों, आईएमएफ की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ हों, डब्लूएचओ में डिप्टी डायरेक्टर जनरल के पद पर कार्यरत सौम्या स्वामीनाथन हों या जर्मन बेकरी ब्लास्ट में जख़्मी हुई आम्रपाली चव्हाण हों, ये सभी महिलाएँ सशक्तीकरण, साहस और दृढ़-निश्चय का पर्याय हैं।

इसी सूची में अगला नाम है बिहार के दरभंगा जिले की पुष्पम प्रिया चौधरी का, जो समाज की रूढ़िवादिता को चुनौती देते हुए तमाम बाधाओं को तोड़ अपनी मातृभूमि की सेवा करने भारत लौटी हैं।

पुष्पम दुनिया के प्रख्यात कॉलेज, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस से उच्च-अध्ययन करने के बाद भारत लौट आई हैं। उन्होंने इस विश्व प्रसिद्ध कॉलेज से वर्ष 2019 में 'मास्टर्स ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' की पढ़ाई की और 2016 में इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, ससेक्स विश्वविद्यालय में 'डेवलपमेंटल स्टडीज ह्लमें एमए भी किया है। पुष्पम बिहार के दबे-कुचले और आर्थिक रूप से हाशिये पर खड़े लोगों के लिए आगे आना चाहती हैं और उनकी आवाज बनकर एक बदलाव लाने के लिए सतत प्रेरित हैं। पुष्पम कहती हैं, मैंने बिहार के स्वरूप को बदलने के लिए बिहार लौटने की शपथ ली थी। आज बिहार को एक नई दिशा की जरूरत है, बिहार को बदलाव की जरूरत है, क्योंकि यह बदलाव सबसे बेहतर विकल्प है। हम मौजूदा राजनेताओं की कार्यकुशलता में नाकामी से शर्मिन्दा होते-होते थक चुके हैं। किसी भी विकाशील समाज के लिए यह अस्वीकार्य है कि आम लोगों के नीति बनाने वालों को नीतियों के बारे में कोई ज्ञान ही नहीं है। इन नीति-नियंताओं ने बिहार को हमेशा उपेक्षित रखा है। हमें गरीबी, कुपोषण और अपराध से लड़ना है और बिहार को एक मॉडल स्टेट के रूप में स्थापित करना है। बिहार के भविष्य की बागडोर युवाओं की हाथ में हैं।

32 साल की पुष्पम बिहार के दूर-दराज इलाकों में यात्रा कर किसानों से मिल रही हैं और खेती से जुड़ी मूलभूत समस्याओं को दूर करने के लिए एक संवाद कायम कर रही हैं। वो खेती में तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए उचित संसाधन व समाधान लाने की कोशिश कर रही हैं। प्रवासी श्रमिकों के दर्द को उजागर करने के लिए उन्होंने सोशल मीडिया पर कई मुहिम चलाई है। इसमें बुनकर और पारंपरिक कारीगरों और श्रमिकों के लिए कई कल्याणकारी अभियान चलाए गए हैं।

पुष्पम का मानना है कि जब इतिहास आम जनमानस को एक सम्माजनक जीवन नहीं दे सके, तो यह बोझ बन जाता है। बिहार हर गुजरते दिन इस कथन को साबित करता है। हम जानते हैं कि बिहार गौतम बुद्ध की पावन धरती है। भगवान महावीर ने यहाँ उपदेश दिए थे। लेकिन आज उनकी शिक्षा महज कागजों में मिथ्या बनकर गई हैं। पिछले साल हमने देखा कि कैसे राजधानी पटना जो विकास के आधुनिक मॉडल पर खड़ा होने का दावा करता था, बाढ़ के कारण ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। मुजफ़्फरपुर के सरकारी अस्पतालों में चमकी बुखार से 200 बच्चों ने दम तोड़ दिया और किसी की जवाबदेही तय नहीं हो सकी। इन सब मूलभूत चुनौतियों से निपटने के लिए हमें सशक्त नीतियों और ईमानदार नीति निर्धारकों की जरूरत है। इसके लिए युवाओं को आगे आना होगा।"

पुष्पम आगे कहती हैं कि आज बिहार में रेशम का उद्योग संघर्ष कर रहा है। उनका मानना है कि युवा बुनकरों में अभी भी 'नेपुरा टसर सिल्कह्ल उद्योग को पुनर्जीवित करने की क्षमता है। इन जमीनी स्तर के उद्यमियों को नीति-निर्धारण की मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिये। पुष्पम बिहार में मौजूदा राजनीतिक हालात और इससे पनपे यथास्थिति को चुनौती दे रही हैं जिससे करोड़ों आम लोगों की आजीविका में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। वह कहती हैं कि अब बिहार के भाग्य को बदलने समय आ गया है। पुष्पम के मुताबिक, बिहार से पलायन पर शीघ्र अंकुश लगना चाहिए और यहाँ के मानव संसाधनों का उपयोग बिहार के निवासी अपने जीवन स्तर को सँवारने के लिए उपयोग में ला सकें।

# गणित के जादूगर एमके झा हुए सम्मानित

उपलब्धियों भरी फेहरिश्त पटना में एटीएस डीआईजी विकास वैभव ने किया सम्मानित तो दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के हाथों सम्मानित हुए गणित के जादूगर एमके झा.

दिनांक 29 फरवरी को माई ब्रांड बेटर ने श्रीएमके झा को इंडियन एक्सिलेंस एडुकेशन अवार्ड 2020 से सम्मानित किया ।सम्मान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्याम जाजू के हाथों दिल्ली में दिया गया । गणित के जादूगर के रूप में विख्यात चर्चित शिक्षक एमके झा बिहार के श्रेष्ठ शिक्षकों में शामिल हैं जिनसे पढ़ने की तमन्ना लिए हजारों छात्र पटना आते हैं. प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में इनका झा क्लासेज आज बिहार में स्थापित है बिहार की राजधानी पटना प्रारंभिक काल से ही शिक्षा के केंद्र बिंदु रही यहां के शिक्षकों का डंका पूरे देश ही नहीं विदेशों तक मे बजता आ रहा है. इसी पटना के नया टोला सेंट्रल बैंक बिल्डिंग के द्वितीय तल पर संचालित होता है झा क्लासेज. जहां हजारों की तादाद में छात्र विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए गणित पढ़ने इनके पास आते हैं .

मूल रूप से ग्राम शाहपुर पंडोल जिला मधुबनी के निवासी एमके झा के पिता श्री तारा कांत झा व्यवसाय मे थे।एककृत बिहार में बोकारो में स्कूली शिक्षा आदर्श मध्य विद्यालय चास बोकारो से तथा दसवीं की शिक्षा राम रूद्र हाई स्कूल जोधाडीह मोड़ बोकारो से हुई 1986 में इन्होंने मारवाड़ी कॉलेज रांची से इंटर की परीक्षा और 1989 में रांची कॉलेज से गणित प्रतिष्ठा में स्नातक की डिग्री ली पढ़ाई समाप्त होने के बाद प्रतियोगिता परीक्षाओं में लगे सर्वप्रथम इनका चयन पटना के एलएन मिश्रा संस्थान के लिए हुआ लेकिन इन्होंने एडमिशन नहीं लिया तत्पश्चात असिस्टेंट स्टेशन मास्टर के रूप में मुंबई रेलवे के लिए चयनित हुए उन्होंने वहां भी ज्वाइन नही किया. उसके बाद असिस्टेंट स्टेशन मास्टर के तौर पर महेंद्र रेलवे बोर्ड के लिए भी चयनित हुए लेकिन इनके मन में बचपन से ही लीक से अलग कुछ कर गुजरने की चाहत थी. जो ज्ञान इनके पास है छात्रों के बीच बांटा जाए तो बिहार से हजारों की तादाद में छात्र विभिन्न सरकारी नौकरियों के लिए चयनित हो सकते हैं. इस जज्बे के साथ 25 वर्षों से छात्रों को पढ़ाने वाले एम के झा के10 हजार से ज्यादा छात्र विभिन्न सरकारी नौकरियों में उच्च पदों तक आसिन है. 1996 में महेंद्रु पोस्ट ऑफिस के पास 4 बच्चों से अपने संस्थान की शुरूआत करने वाले झा वर्ष 1998 में बिहार के प्रतिष्ठित करतार कोचिंग से जुड़े गणित पढ़ाने की कला के कारण छात्रों की भीड़ खिंची चली आती थी .वर्ष 2000 से 2011 तक पटना के गोपाल मार्केट में इन्होंने छात्रों को पढ़ाया तत्पश्चात वर्ष 2012 में करतार कोचिंग छोड़कर इन्होंने खुद का झा क्लासेस नाम से नया टोला सेंट्रल बैंक बिल्डिंग के द्वितीय तल पर अपने संस्थान की स्थापना की. खुद का संस्थान होने के बाद छात्रों से सीधा संवाद कुछ ज्यादा ही होने लगा भीड़ बढ़ने लगी सफलता मिलने लगी और

झा क्लासेस बिहार का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान बन गया. गणित के जादूगर के रूप में प्रसिद्ध एमके झा की प्रसिद्धि आज की तारीख में इतनी है कि विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए तैयारी करने वाले पटना आने वाले छात्र इनके संस्थान में गणित पढ़ना नहीं भुलते. आज भी निर्धन विकलांग छात्रों को उनके संस्थान में नाममात्र के शुल्क पर शिक्षा दी जाती है. इनके संस्थान में लाइव वीडियो क्लासेज की व्यवस्था भी है. सफलता की कहानी इनकी धर्मपत्नी बबीता झा के बिना अधूरी है 25 वर्षों के पढ़ाने के अभियान मे इनका योगदान काफी बेहतर है.संस्थान का प्रबंध ये संभालती ही है साथ ही साथ तथ्यात्मक जरूरतों को भी पूरा करती हैं .

उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने वाली बबीता झा छात्रों के आर्थिक स्थिति को देखते हुए उनके लिए आर्थिक आधार पर भी काफी सहूलियत की व्यवस्था करती हैं .इनके संस्थान में पढ़ने वाले छात्र कहते हैं इनके पढ़ाने की तकनीक काफी अलग है जिस कारण से गणित जैसे कठिन विषय भी छात्रों को कंठस्थ हो जाते हैं. जिस तकनीक से पढ़ाते हैं .उसके कारण विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में गणित के प्रश्न हल करना काफी आसान हो जाता है .इसी कारण छात्रों की दिली तमन्ना रहती है कि वह झा क्लासेज मे जरूर पढ़े. विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित गणित के जादूगर एमके झा को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया पूर्व सीबीआई डायरेक्टर जोगिंदर सिंह तथा देश के प्रतिष्ठित मासिक पत्रिका आउटलुक ने श्रेष्ठअवार्ड से भी सम्मानित किया है. बातचीत के क्रम में उन्होने बताया कि पढ़ने पढ़ाने के अलावा वे कुछ भी नहीं सोचते हैं उन्हें लगता है कि छात्रों के अंदर सब कुछ है बस उसे परोसने की कला सीखनी है. गणित के बारे में छात्रों के दिमाग में बचपन से ही बैठा दिया जाता है कि कठिन है लेकिन तकनीक के माध्यम से पढ़ाते है जिससे छात्रों को लगता है कि अन्य विषय से गणित के सवालों को हल करना काफी आसान है।

# स्वस्थ भारत की दिशा में सार्थक पहल

स्वच्छ भारत अभियान से होते हुए फिट इंडिया मूवमेंट तक पहुंचने वाली मोदी सरकार ने स्वास्थ्य को ह्यसरकारी टोपीह्न से बाहर निकालने का काम किया है। इसे जनता के बीच ले जाकर, जनता को जागरूक एवं जिम्मेदार बनाने का काम किया है। इस तरह मोदी सरकार ने स्वास्थ्य को एक आंदोलन का रूप देने का काम किया है।

2014 में जब एनडीए सरकार बनी थी तब से लेकर एनडीए-2 के बीते 3 महीनों में स्वास्थ्य को लेकर जिस तेजी से नीतिगत फैसले लिए गए हैं, उतनी तेजी से इसके पूर्ववर्ती सरकारों ने कभी काम नहीं किया। स्वच्छ भारत अभियान से होते हुए फिट इंडिया मूवमेंट तक पहुंचने वाली भारत सरकार ने स्वास्थ्य के मसलों को ह्यसरकारी टोपीह्न से बाहर निकालने का काम किया है। इसे जनता के बीच ले जाने का काम किया है। जनता को जागरूक एवं जिम्मेदार बनाने का काम किया है। स्वास्थ्य को एक आंदोलन का स्वरूप देने का काम किया है। 2 अक्टूबर, 2014 को भारत सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया था और इस अभियान को महात्मा गांधी के सपने से जोड़कर देश के अंतिम जन तक स्वच्छता को पहुंचाने का संकल्प लिया था। आज इस अभियान ने देश के मिजाज को बदलने का काम किया है। इसके बाद सेहत संबंधी तमाम योजनाओं को तीव्रता से धरातल पर उतारने का काम सरकार ने किया। इसी कड़ी में एक कदम आगे बढ़ते हुए सरकार ने 29 अगस्त, 2019 को दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में ह्यफिट इंडिया मूवमेंटह्न का आगाज किया है। राष्ट्रीय खेल दिवस के दिन आरंभ हुए इस मूवमेंट से देश के आम जन को जुड़ने की अपील प्रधानमंत्री मोदी ने की है।

## पीएम ने दिए फिटनेस मंत्र

फिट इंडिया मूवमेंट के बारे में बोलते हुए पीएम ने कहा कि, खेल का सीधा नाता है फिटनेस से। फिटनेस एक शब्द नहीं है बल्कि स्वस्थ और समृद्ध जीवन की एक जरूरी शर्त है। फिटनेस हमारे जीवन का सहज हिस्सा रही है। और हमारे यहां तो हमारे पूर्वजों ने, हमारे साथियों ने बार-बार कहा है-ह्यव्यायाम से ही स्वास्थ्य, लम्बी आयु, शक्ति और सुख की प्राप्ति होती है। निरोगी होना परम भाग्य है, और स्वास्थ्य से सभी कार्य सिद्ध होते हैं।ह्न प्रधानमंत्री मोदी ने इस मूवमेंट को आगे बढ़ाने का वादा करते हुए कहा कि, सरकार तो एक कैटलेटिक एजेंट के रूप में इस विषय को आगे बढ़ाएगी, लेकिन एक प्रकार से हर परिवार का एजेंडा बनना चाहिए। यह मुद्दा हर परिवार में चर्चा का विषय बनना चाहिए। अगर व्यापारी हर महीने हिसाब लगाता है कि कितनी कमाई की, शिक्षा में रुचि रखने वाले परिवार में चर्चा करते हैं बच्चों को कितने अंक आए; उसी प्रकार से परिवार के अंदर सहज रूप से शारीरिक श्रम, शारीरिक व्यायाम, फिजिकल फिटनेस, ये रोजमर्रा की जिंदगी की चर्चा के विषय बनने चाहिए।

## स्वास्थ्य के प्रति सजगता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 35 मिनट के अपने संबोधन में फिटनेस की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि, भारत में ही अचानक इस तरह की जरूरत महसूस हुई हो, ऐसा नहीं है। समय के साथ ये बदलाव सिर्फ भारत में ही आ रहा है, ऐसा भी नहीं है। पूरे विश्व में आज इस तरह के अभियानों की जरूरत महसूस की जा रही है। हमारे पड़ोस में चीन, हेल्दी चीन 2030 को लेकर मिशन मोड में काम कर रहा है। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया अपने नागरिकों की फिजिकल एक्टीविटी बढ़ाने और आलसीपन को दूर करने के लिए 2030 तक देश के 15 प्रतिशत नागरिकों को आलस से बाहर निकालने

का लक्ष्य तय किया है। ब्रिटेन में जोर-शोर से अभियान चल रहा है कि 2020 तक पांच लाख नए लोग दैनिक व्यायाम के रूटीन से जुड़ें, ये उन्होंने टारगेट तय किया है। अमेरिका 2021 तक अपने एक हजार शहरों को फ्री फिटनेस अभियान से जोड़ने का काम कर रहा है। जर्मनी में भी फिट इन्सटिड ऑफ फैट, इसका बड़ा अभियान चल रहा है।

## बॉडी फिट है तो माइंड हिट है

प्रधानमंत्री ने कहा कि, सफलता और फिटनेस का रिश्ता भी एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। आप किसी भी प्रोफेशन में हों, आपको अपने प्रोफेशन में इफिशिएंसी लानी है तो मेंटल और फिजिकल फिटनेस बहुत जरूरी है। जो फिट है वो आसमान छूता है। बॉडी फिट है तो माइंड हिट है।

## सभी मंत्रालयों से अपील

फिट इंडिया मूवमेंट को सफल बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने सभी को साथ आने की अपील की। उन्होंने कहा कि, ह्यये अभियान सिर्फ एक मंत्रालय का नहीं है, सिर्फ सरकार का नहीं है, ये सरकार चाहे केंद्र की हो, राज्य की हो, नगर पालिका हो, पंचायत हो, कोई भी दल हो, कोई भी विचारधारा हो, फिटनेस के संबंध में किसी को कोई प्रॉब्लम नहीं होना चाहिए। पूरा देश, हर परिवार इस पर बल दें।ह्ल फिटनेस एवं वीरता के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि, ह्यहमारे यहां फिटनेस के साथ वीरता का भी माहात्म्य है, लेकिन दुर्भाग्य से सीमित सोच के कारण, पूर्ण सोच के अभाव के कारण हमने हमारी परंपराओं से ऐसी गाड़ी डीरेल कर दी है, जैसे कभी हमारे यहां जो 60-70-80 साल के उम्र के लोग होंगे, जब वो स्कूल में पढ़ते तो तब तलवार का ह्यतह्ल पढ़ाया जाता था। बाद में कुछ बुद्धिमान लोगों ने विवाद खड़ा किया, सीमित सोच का परिणाम था कि भाई तलवार बच्चों को पढ़ाने से उसके अंदर हिंसक मनोवृत्ति आती है। तो क्या करें, तो तलवार को निकाल दो, तरबूज का ह्यतह्ल पढ़ाओ। यानी हमने किस प्रकार से मनोवैज्ञानिक रूप से भी हमारी महान परंपराओं से वीरता को भी, शारीरिक सामर्थ्य को भी, फिटनेस को भी बहुत गहरी चोट पहुंचाई है।ह्ल प्रधानमंत्री ने कहा कि, ह्यहर प्रकार से हम फिटनेस को एक उत्सव के रूप में, जीवन के एक हिस्से के रूप में, परिवार के सफलता के जितने भी मानक हों, उसमें फिटनेस भी एक परिवार की सफलता का मानक होना चाहिए। व्यक्ति के जीवन की सफलताओं में भी फिटनेस उसका एक मानक होना चाहिए। स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज, यही नए भारत को श्रेष्ठ भारत बनाने का रास्ता है। जैसे आपने स्वच्छ भारत अभियान को अपने जीवन का हिस्सा बनाया है, उसी तरह फिट इंडिया मूवमेंट को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाना है। मैं फिट तो इंडिया फिट।

## महत्वपूर्ण रहा अगस्त 2019

एनएमसी एक्ट 2019 बनने के अभूतपूर्व सफलता के बाद इस महीने सरकार ने जहां 75 नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना करने की घोषणा की। इसी महीने में प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के अंतर्गत चल रही 5500 से ज्यादा केन्द्रों पर मिलने वाली सैनेटरी नैपकिन ह्यसुविधाह्ल की कीमत घटाकर 1 रुपये प्रति नैपकिन किया गया। पहले जहां यह नैपकिन 10 रुपये में 4 मिलता था, वहीं अब यह 4 रुपये में मिल रहा है। रसायन एवं उर्वरक मंत्री सदानंद गौड़ा एवं इसी मंत्रालय में राज्य मंत्री मनसुख भाई मांडविया ने सफदरजंग अस्पताल में आयोजित एक कार्यक्रम में इस नैपकिन को लॉन्च किया। साथ ही जनऔषधि सुगम ऐप भी लॉन्च किया गया। इस एप के माध्यम से कोई भी आदमी जनऔषधि का लोकेशन एवं जेनरिक दवाइयों की उपलब्धता को देख सकता है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने परम्परागत औषधि प्रणालियों और होम्योपैथी के क्षेत्र में भारत और गिनी गणराज्य के बीच सहयोग से संबंधित समझौता ज्ञापन को मंजूरी प्रदान की है।

इस समझौता ज्ञापन पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की तीन दिन की गिनी यात्रा के दौरान 02 अगस्त, 2019 को हस्ताक्षर किए गए थे। इसी बैठक में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, स्वास्थ्य मंत्रालय, पेरू के बीच औषधीय पौधों के क्षेत्र में सहयोग से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दी। ध्यान देने वाली बात यह है कि जैव प्रौद्योगिकी के संदर्भ में भारत विश्व के समृद्ध देशों में से एक है तथा अनुमानित तौर पर पौधों की 7000 से अधिक प्रजातियों के लोक परंपरानुसार तथा आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (चिकित्सा की आयुष प्रणाली) जैसी परंपरागत औषधियों की प्रमाणित प्रणालियों में औषधीय उपयोग होते रहे हैं। पेरू गणराज्य लैटिन अमेरिकी देशों में से एक है, जो विश्व में जैव विविधता की दृष्टि से भारत के समान ही महत्वपूर्ण हैं। पेरू में भी औषधीय पौधों की समृद्ध जैव विविधता है तथा औषधीय पौधों पर आधारित परंपरागत औषधि प्रणालियां मूल लोगों द्वारा प्रमुख रूप से इस्तेमाल में लाई जाती हैं।

इससे यह स्पष्ट हो रहा है कि सरकार एक ओर आधुनिक चिकित्सा पद्धति के विस्तार के दिशा में काम कर रही है, वही दूसरी तरफ भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति का विस्तार भी कर रही है। ऐसे में यह आशा तो की ही जा सकती है कि आने वाले समय में भारत न सिर्फ अपने देश की स्वास्थ्य समस्याओं को सुलझा पाएगा बल्कि दुनिया के देशों के लिए भी एक पसंदीदा स्वास्थ्य सेवा प्रदाता बनेगा। जरूरत इस बात की है कि हम और आप पीएम के एक सूत्री मंत्र ह्यमैं फिट तो देश फिटह्ल में निहित संदेश को समझें ताकि भारत स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल देशों की सूची में सिरमौर बन सके।

# कम्युनिटी पुलिसिंग ने दिखाया जलवा

कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत होली के अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पटना सिविल डिफेंस के बैनर तले मोटरसाइकिल मार्च का आयोजन किया गया । इस मोटर साइकिल मार्च में अगमकुवां थाना और अगमकुवां थाना शांति समिति ने भाग लिया। इस मार्च का नेतृत्व अगमकुवां थाना के एस० एच० ओ० इंस्पेक्टर अभिजीत कुमार, पटना सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन एस एन श्याम अगमकुवां थाना शांति समिति के प्रमुख रोटेरियन उमेश कुमार ने किया । इस दरमयान 9 एवं 10 मार्च को अगमकुवां के विभिन्न मोहल्लों और बाईपास में शराब तस्करों ,शराबियों और हुलड़बाजो के खिलाफ सघन अभियान चलाया गया। इस दरमयान चार शराबी भी पकड़े गए ।पुलिस पब्लिक सहयोग के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग के इस कार्रवाई से इलाके में होली का पर्व शांत और सौहार्द पूर्ण वातावरण बीता।

# तारापुर में 1932 के गोलीकांड की याद में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उमड़ी भीड़

## तारापुर का ऐतिहासिक थाना भवन राष्ट्रीय धरोहर घोषित हो : जयराम विप्लव

**सिद्धांत राज**

15 फरवरी 1932 को मुंगेर जिला के तारापुर के ब्रिटिश कालीन थाना पर तिरंगा फहराते हुए शहीद हुए 34 बलिदानियों की स्मृति में शनिवार को पूर्व डाकबंगला परिसर में युवा ट्रस्ट के द्वारा शहीद श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा से पूर्व सैकड़ों बच्चों , स्थानीय नागरिकों व युवा ट्रस्ट के कार्यकताओं ने थाना परिसर में शहीद स्थली पर भारत माता का चित्र और शहीदों के नाम पट्टिका लगाकर पुष्पांजली किया। शहीद श्रद्धांजलि सभा में गुरुकुल एकेडमी,हेब्रोन मिशन,एनएनएम पब्लिक स्कुल,विकास दीप आदि स्कूलों के बच्चों की देशभक्ति पूर्ण नृत्य व संगीत से कार्यक्रम की शुरूआत हुई सभा की अध्यक्षता कार्यक्रम धर्मवीर कुमार यादव और मंच सञ्चालन अमित अमन,विदुर व श्रवन ने संयुक्त रूप से किया। बतौर मुख्य वक्ता युवा ट्रस्ट के अध्यक्ष व भाजपा प्रवक्ता जयराम विप्लव ने सभा में उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हमें गर्व है कि हम उस मिटटी में पैदा हुए हैं जिस मिटटी पर हमारे पुरखों ने भारत माता को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त करने के लिए अपना खून बहाया था। जिस ब्रिटिश थाना पर तिरंगा फहराते हुए हमारे 34 वीर पूर्वजों ने सीने पर गोलियां खाई थी उस ऐतिहासिक स्थल को राष्ट्रीय धरोहर घोषित कराना हमारा कर्तव्य है । आज हम आजाद है, खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं क्योंकि हमारे पूर्वजों ने अपने परिवार, अपने गाँव,अपने जाति की चिंता छोड़ कर देश के लिए प्राणों का बलिदान किया था। सोचिये सोलह-सत्रह साल के उन ३४ वीरों के बारे में। इसीलिए मैं आपको जगाने निकला हूँ और देश को भी हमारे वीर पूर्वजों की गाथा सुनाने निकला हूँ इस मुहीम में साथ देने वाले सभी युवा ट्रस्ट व अन्य संगठनों के कार्यकताओं को बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ । लड़ाई जारी है जब तक मांग पूरी न हो जाती। कार्यक्रम को लोजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मिथिलेश सिंह, कार्यक्रम संयोजक धर्मवीर यादव, मुखिया संघ के अध्यक्ष शशि कुमार सुमन, भाजपा नेता सौरभ कुमार व शम्भू शरण चौधरी, ग्रामीण चिकत्सक संघ के अध्यक्ष डॉ बलदेव कुशवाहा ,मुखिया बीर कुंवर सिंह, सुनील चतुर्वेदी,कमल नयन, संसद प्रतिनिधि अन्तुश राणा आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर त्रिलोचन सिंह, लागो बाबु, बमबम कुशवाहा, नन्हे सिंह, मनमोहन चौधरी, मनोरंजन डब्लू, मुखिया चद्रशेखर चौधरी,मुकेश सिंह, रवि रंजन ,बिनीत सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, साहिल राज ,शिव प्रसाद सिंह, फेकन पासवान , डॉ सीएस वर्मा, गौतम कुशवाहा, रिशु , दीपक पोद्दार,सुजीत , गौतम गुड्डू आदि व्यवस्था में मौजूद रहे। गौर तलब है कि युवा ट्रस्ट के माध्यम से युवाओं की टीम विगत 8 वर्षों से तारापुर शहीद दिवस को मनाते हुए एक मुहीम पर हैं जिसमे एक और जहाँ लाखों लोगों तक कार्यक्रम करके, मिडिया व सोशल मीडिया के जरिये तारापुर के ३४ वीरों की कहानी पहुंचा रहे हैं तो वहीँ उन बलिदान की साक्षी थाना भवन को धरोहर घोषित कराने की मांग को लेकर जनसमर्थन भी जुटा रहे हैं। हालाँकि अब इस मांग से सांसद और विधयक भी जुड़ रहे हैं। वर्ष 2017 में तारापुर में क्रांति मशाल जुलुस , 2018 में तारापुर से मुंगेर तक शहीद यात्रा बाइक रैली, मुंगेर तों हॉल मैदान में सभा

, 2019 में तारापुर थाना परिसर में भव्य पुष्पांजली और जन्तर मन्तर पर भी कैंडल मार्च आदि कार्यक्रमों के जरिये यह मुहीम आगे बढ़ता रहा है।

## जनजागरण में जुटी युवा टीम

जयराम विप्लव के नेतृत्व में युवा ट्रस्ट की एक मजबूत टीम मुंगेर व आसपास में काम कर रही है । वरिष्ठ सामाजिक नेताओं सुबोध गुप्ता , शिवकुमार सिंह, डॉ बलदेव, शम्भु शरण , रामाशीष चौधरी, त्रिलोचन सिंह, विष्णु जी आदि के मार्गदर्शन में धर्मवीर कुमार यादव के संयोजन में मनमोहन चौधरी, नन्हे सिंह , गौतम, मनोरंजन डबलू, रवि रंजन, अजय सिंह, विवेक कु सिंह,बीर कुँवर सिंह, कुमार श्रवण, बिनीत सिंह, मंगल सिंह, गौतम कुशवहा, साहिल राज,अभिनव आनंद, शशांक घोष, भूषण राम , साजन राय, बमबम कुशवाहा, राकेश मण्डल , बिट्टू मोदी ,संतोष कुमार ,डॉ सीएस वर्मा, गुड्डू, हरेकृष्ण, धनंजय, सोनू सिंह, अंतेश दुबे, राजू चौधरी, रोहित , सोनम राज, पंकज , सुबोध साह , विजय यादव , सुमित हिन्दू , मनोज सिंह , सुजीत , शशि पोद्दार , योगी राहुल, किशन , रिशु , रौशन , अंकित , रजनीश, संतोष सिंह , संजीव आदि विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर जन जागरण में जुटे हैं।

## भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को तारापुर शहीद दिवस का स्मृति चिन्ह भेंट

शुक्रवार 14 फरवरी को पूर्व संध्या पर मुंगेर नगर भवन के एक कार्यक्रम में लोकसभा के सचेतक व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ जायसवाल को तारापुर शहीद दिवस का स्मृति चिन्ह देकर भाजपा प्रवक्ता व युवा ट्रस्ट के अध्यक्ष जयराम विप्लव ने सम्मानित किया। मौके पर पूर्व मंत्री सम्राट चौधरी , जिला अध्यक्ष राजेश जैन आदि मौजूद रहे ।

# झारखंड राज्य सेभारी मात्रा में लाया जा रहा, अवैध शराब बौंसी (बिहार सीमा )में पुलिस ने किया जब्त

बरामद शराब के साथ पुलिस अधीखक अरविंद गुप्ता, थानाध्यक्ष बौंसी व अन्य अधिकारी।

**राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)**

बिहार सरकार द्वारा पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बावजूद शराब कारोबारी अपने कारोबार से बाज नहीं आ रहे .यद्यपि पुलिस की सक्रियता इस क्षेत्र में कम नहीं मानी जा सकती,तथापि निरंतर शराब की बड़ी खेप लेकर कारोबारी झारखण्ड सीमा से बांका जिले होते हुए बिहार राज्य के अन्य जिलों में प्रवेश करते हुए अन्य जिलो में जाते हैं. इस संबंध में झारखंड राज्य से भारी मात्रा में लाया जा रहा अवैध शराब बौंसी थाना क्षेत्र में पुलिस ने जप्त किया. पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दिनांक 4:03 2020 24 को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि शराब का कारोबारी द्वारा झारखंड राज्य से बड़ी खेप में अवैध शराब बिहार लाया जा रहा है .सूचना के आलोक में पुलिस अधीक्षक बांका के निर्देशन में बौसी थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों द्वारा झारखंड की तरफ से आने वाले वाहनों का सघन चेकिंग किया गया .चेकिंग के दौरान एक टाटा 407 वाहन संख्या हइ -37इ -7627 को, बांका पुलिस के द्वारा वाहन की तलाशी ली गई . तलाशी के क्रम में 180' का 10 कार्टून कार्टून 48 बोतल यानी 375' 49 कार्टून कार्टून 24 बोतल एवं 750 30 कार्टून कार्टून 20 बोतल इंपीरियल ब्लू कंपनी का 2016 बोतल अवैध शराब बरामद किया गया साथ ही साथ टाटा 407 के चालक दिलीप कुमार सिंह शाकीन चास थाना -बोकारो जिला -बोकारो (झारखंड-)को गिरफ्तार किया गया. अग्रतर अनुसंधान के क्रम में अन्य अभियुक्तों को का पता लगाया जा रहा है.

पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार गुप्ता ने आगे बताया कि बांका जिला क्षेत्र दो झारखंड के जिलों से सटा हुआ है .देवघर और दुमका इन दोनों जिलों के चेक पोस्ट पर और ग्रामीण क्षेत्रों केजंगली इलाके में जो देसी शराब बनाने का कारोबार चलता है. इस पर विशेष छापामारी अभियान पुलिस की चल रही है .चेक पोस्ट पर विशेष छापामारी दल तैनात है शराब कारोबारियों पर नकेल कसने हेतु चेक पोस्ट पर निरंतर गस्तियां चलती रहती है. इसी क्रम में एक गुप्त सूचना हमें प्राप्त हुई .जिसमें कहा गया कि 407 एक टाटा मैक्सी झारखंड क्षेत्र दुमका से जा रही है,जिसमें की भारी मात्रा में शराब लदा है .इस पर विशेष रूप से पहल करते हुए विशेष छापामारी दल को तैनात किया और भाई जोर सीमा के पास उस गाड़ी को जप्त कर लिया .जब उस गाड़ी की तलाशी लेना प्रारंभ किया तो उस परआलू लगा हुआ था.जानकारी पक्की थी . कि उस आलू के बोरे के अंदर शराब छिपा है. और जब उस आलू के बोरे को हटाया गया तो उसके अंदर भारी मात्रा में शराब छिपाया हुआ था. जिसे पुलिस ने जप्त कर लिया2016 बोतल के सा89 कार्टून यानी 800 लीटर शराब बरामद किया गया .अनुसंधान के क्रम में यह पता चला कि यह बोकारो से चलकर भाया दुमका होते हुए,भागलपुर ले जाया जा रहा था. होली के अवसर पर यह बड़ी मात्रा मैंअवैध शराब को खेपाने भागलपुर जा रहा था. पुलिस ने इनकी मंशा को नाकाम कर दिया.

बांका जिला से झारखंड राज्य के जिले गोड्डा, दुमका, एवं देवघर होने के कारण अवैध शराब के कारोबारीयों के द्वारा इस रास्ते को सेफ जॉन माना जाने लगा था. परंतु पुलिस कीविशेष गश्ती दल और छापामारी दल ने शराब के उनअवैध कारोबारियों के मनसूबे को नाकाम करने में पुलिस को दिन-प्रतिदिन सफलता मिल रही है. इसी क्रम में गुप्त सूचना केआधार पर बौंसी सीमा क्षेत्रके भलजोर चेकपोस्ट केपास एक 407 मिनी ट्रक जो ऊपर से आलू के बोरे से लदा था,पुलिस ने जप्त किया. जिसके अंदर 89 कार्टून यानी 2016बोतल यानी 800 लीटर विदेशी शराब छुपा कर , बोकारो से भागलपुर ले जाया जा रहा था, इस वाहन को जप्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया.

**अरविंद कुमार गुप्ता**
**पुलिस अधीक्षक, बांका**

# हथियार कारतूस व संदिग्ध सामानों के साथ पुलिस ने दो बदमाशों को धर दबोचा

प्रेस वार्ता के दौरान अपराधियों की जानकारी देते एसपी अरविंद कुमार गुप्ता व अन्य अधिकारी।

**राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)**

अपराध पर अंकुश लगाने हेतु बांका पुलिस की क्रियाशीलता संपूर्ण जिले क्षेत्र में गतिमान है .इसी क्रम में पिस्टल ,कारतूस व अन्य आपत्तिजनक सामग्रीके साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली. पुलिस अधीक्षकअरविंद कुमार गुप्ता ने प्रेस वार्ता कर यह जानकारी दी उन्होंने बताया ,कि दिनांक 4 -3 2020 की रात्रि को बांका पुलिस के द्वारा रात्रि गश्ती के क्रम में फुल्लीडुमर थाना अंतर्गत ग्राम तेलियाडीह टोला में फुल्लीडुमर थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों के द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध टाटा विक्टा वाहन संख्या BR-01AP-2911 को चेकिंग हेतु रोका गया ,तो उसमें बैठे व्यक्ति पुलिस को देखकर घबराते हुए भागने लगे .भाग रहे व्यक्तियों में से एक संतोष कुमार सिंह पिता शिव शंकर सिंह साकिन केंदुआर थाना अमरपुर जिला बांका और दूसरा प्रवीण कुमार सिंह पिता निरंजन कुमार सिंह साकिन भीमसेन थाना अमरपुर जिला बांका को पुलिस पदाधिकारी के द्वारा धर दबोचा गया .संदिग्ध

बांका पुलिस के द्वारा रात्रि गश्ती के क्रम में फुल्लीडुमर थाना अंतर्गत ग्राम तेलियाडीह टोला के समीप सुमो विक्टा में दो लोगों को अवैध हथियार व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया उस वाहन में कुल 6 लोग सवार थे जिसमें चार फरार हो गए चारों को चिन्हित कर लिया गया है उन चारों पर पूर्व में पूर्व में भी कई कांड दर्ज हैं इसके लिए छापामारी भी जारी है किसी बैंक में सेंधमारी करने की योजना बनाकर यह 6 लोग वाहन पर सवार होकर जा रहे थे जो इन्होंने स्वीकार भी किया. सुसंगत धाराओं के अंतर्गत इन बदमाशों पर कार्रवाई की जाएगी.

**अरविंद कुमार गुप्ता**
**पुलिस अधीक्षक, बांका**

व्यक्तियों की एवं वाहन की तलाशी ली गई . तो तलाशी के क्रम में संतोष कुमार सिंह पिता शिव शंकर सिंह केंदुआ र-थाना -अमरपुर- जिला -बांका के पास से एक लोडेड पिस्टल दो गोली बरामद किया गया .एवं दूसरे प्रवीण कुमार सिंह पिता निरंजन कुमार सिंह साकिन भीमसेन थाना अमरपुर जिला बांका के पास से एक लोडेड पिस्तौल दो गोली तथा उक्त वाहन से दो देशी कट्टा एवं मोबाइल बिना सिम कार्ड का लोहे का बड़ा खंती, लोहा काटने वाला मशीन ,और ब्लेड एवं अन्य सामान संदिग्ध सामग्री बरामद किया गया. पुलिस अधीक्षक ने आगे बताया की सड़क लूट कांड या बैंक में सेंधमारी जैसे कार्यों में इस तरह की सामग्री कटर खंती आदि व्यावहारित होता है .इसकी जांच की जा रही है . किसीकांड में वांछित है. या नहीं या और किसी घटना में उसकी संलिप्तता उजागर हो रही है या नहीं प्रकार ऐसा प्रतीत होता है. किसी घटना को अंजाम देने के लिए योजनाबद्ध तरीके से वाहन में सवार होकर जा रहा था .तथ्य की जानकारी और ली जा रही है.तहकीकात की जा रही है. इससे संबंधित धाराओं के अंतर्गत इस पर कार्रवाई की जाएगी.

सुसंगत धाराओं के अंतर्गत इन लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

**सुरेश कुमार**
उप निर्वाचन पदाधिकारी, बांका

# चौदहवीं पंचम राज्य वित्त योजना अंतर्गत पीसीसी सड़क का निर्माण कार्य पूरा

नवनिर्मित पीसीसी सड़क के साथ मुखिया प्रदीप कुमार गुप्ता

कटोरिया प्रखंड के अंतर्गत पड़ने वाले कटोरिया पंचायत में सात निश्चय योजना के तहत विभिन्न कार्यों का संपादन हो चुका है .मुखिया प्रदीप कुमार ने बताया कि पंचम राज्य वित्त योजना के अंतर्गत कुरावा न्यू प्राथमिक विद्यालय से नंदकिशोर शर्मा घर तक पीसीसी सड़क का निर्माण कराया जा चुका है. इसकी प्राकृत राशि 8,97,480 थी. जिसके तहत इस सड़क इस सड़क का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया ,और इस सड़क पर आवागमन जारी हो गया है.विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सात निश्चय योजना के तहत एवं अन्य विकासात्मक योजनाओं का शत-प्रतिशत कटोरिया पंचायत में पालन करने हेतु कटिबद्ध हैं प्रदीप कुमार मुखिया ने बताया कि विभिन्न योजना का लाभ आम जनता को दिलाने के लिए हम कटिबद्ध हैं, परंतु कुछ सरकारी व्यवधान के कारण हम लोगों कोक्षति उठानी पड़ती है.उन्होंने जिक्र किया कि मनरेगा के तहत आम मजदूरों को 177 के द्वारा की दर से ही दैनिक मजदूरी दी जाती है .जबकि सड़क निर्माण या अन्य किसी कार्यों में जो दैनिक मजदूरी निर्धारित है ,वह इससे भिन्न है साथ ही साथ वार्ड क्रियान्वयन समिति या अन्य योजनाओं के तहत से जो भी खर्च का आकलन किया जाता है, या उसका सर्वे कर उसे दिया जाता है .उस राशि से काई भी निर्माण कार्य संभव नहीं हो सकता है. उसके लिए मैंने इसका जिक्र हरियाली मिशन के तहत प्रखंड कार्यालय सभागार में आम सभा के द्वारा कार्यक्रम पदाधिकारी पंकज कुमार के माध्यम से वरीय पदाधिकारी को यह बात पहुंचाने की बात कही है कि इस रकम में बदलाव की जाए ,क्योंकि आज के दौर में यह मजदूरी जो निर्धारित की गई हैकोई मजदूर काम करने में आशा क्षमता जाहिर करता है .350 में रूप में किसी आम आदमी के घर में काम करता है और सरकारी दर में 177 में वह कैसे काम करेगा, और सरकार की योजना कैसे सफल होगी. इस विषय पर उन्होंने विशेष आग्रह किया. चौहदवीं पंचम राज्य वित्त आयोग एवं वार्ड क्रियान्वयन प्रबंधन समिति वार्ड नंबर 1 के द्वारा अधूरे सड़क का निर्माण कराया गया जिसकी लंबाई 1 किलोमीटर तक है मुखिया जी ने आगे बताया कि आजादी के बाद इस गांव में सड़कों का निर्माण हुआ है .पहले आवागमन में काफी परेशानी होती थी ,और अब सड़क बनने से आवागमन जारी हो गया है .जिससे कि इस क्षेत्र के लोगों में हर्ष व्याप्त है वहीं दूसरी ओर मुखिया प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया की पूजहार टोला में जल नल योजना का लाभ वहां के निवासियों को नहीं मिल पाया है अब तक,साथ ही साथ मनरेगा योजनाओं के द्वारा सतवेढी बांध में छोटे-छोटे पुलिया व नाले का का निर्माण सिंचाई हेतु आउटलेट का निर्माण मुखिया फंड के द्वारा ही कराया गया था. ,उसका भी भुगतान सरकार से अभी तक नहीं हो पाया है .पी.एच.डी के द्वारा जो जल नल योजना इस क्षेत्र में क्रियान्वित हो रहा है .उसका खामियाजा आम पब्लिक भुगत रहे हैं. जनप्रतिनिधि होने के नाते हमें ही शिकायत करते हैं .कि यह काम दुरुस्त नहीं हुआ. जबकि मुसीबत यह है कि यह कार्य हमें संपादित नहीं ,बल्कि पी.एच.डी विभाग को संपादित करना है .जिससे कि हमारे क्षेत्र के आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है .इस समाचार के माध्यम से वरीय पदाधिकारी का भी ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि हमारे ग्राम पंचायत कटोरिया में पीएचईडी के द्वारा चलाए गए जल नल योजना सात निश्चय के जल नल योजना को सुचारू रूप से क्रियान्वित की जाए ताकि आम लोगों को कोई परेशानी का सामना करना ना पड़े और लोगों का सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके और मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ आमजन को शत-प्रतिशत प्राप्त हो सके.

# अवैध शराब व बालू के कारोबारियों पर शिकंजा लगायें थानेदार : एसडीपीओ

क्राइम मीटिंग करते एसडीपीओ बेलहर मदन कुमार आनंद व अन्य अधिकारीगण।

## बेलहर पुलिस अनुमंडल के थानेदारों को क्राइम मीटिंग में मिले सख्त निर्देश

**दीपक चौधरी**

एडिशनल एसपी सह बेलहर पुलिस अनुमंडल के एसडीपीओ मदन कुमार आनंद ने कटोरिया स्थित कैंप कार्यालय में सभी थानेदारों के साथ क्राइम मीटिंग की. एसडीपीओ ने बेलहर पुलिस अनुमंडल के सभी थानेदारों को अवैध शराब एवं अवैध बालू के कारोबारियों पर शिकंजा कसने का सख्त निर्देश दिया. साथ ही कहा कि इसमें लापरवाही बरतने वाले थानेदार नपेंगे. क्षेत्र से सूचना संकलन कर अवैध बालू उत्खनन में जुटे माफियाओं के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश एसडीपीओ ने दिया. साथ ही अवैध शराब के निर्माण, बिक्री व परिचालन पर भी पूर्ण रूप से अंकुश लगाने को कहा. क्राइम मीटिंग में एसडीपीओ ने लंबित कांडों का शीघ्र निष्पादन करने, प्रतिदिन अलग-अलग जगहों पर वाहन चेकिंग अभियान चलाने, फरार अभियुक्तों के खिलाफ सघन छापेमारी करने, नक्सली गतिविधि से संबंधित सूचना संकलन करने, बैंक व एटीएम की गंभीरता पूर्वक निगरानी करने का भी निर्देश दिया इस मौके पर कटोरिया इंस्पेक्टर एमएम

**एसडीपीओ ने बेलहर पुलिस अनुमंडल के सभी थानेदारों को अवैध शराब एवं अवैध बालू के कारोबारियों पर शिकंजा कसने का सख्त निर्देश दिया. साथ ही कहा कि इसमें लापरवाही बरतने वाले थानेदार नपेंगे. क्षेत्र से सूचना संकलन कर अवैध बालू उत्खनन में जुटे माफियाओं के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश एसडीपीओ ने दिया.**

आलम, कटोरिया थानाध्यक्ष राजेश कुमार, बेलहर थाना अध्यक्ष विनोद कुमार, चांदन थाना अध्यक्ष नीरज तिवारी, सुईया थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार राय, जयपुर थाना अध्यक्ष पंकज कुमार रावत, खेसर थाना अध्यक्ष अनिल कुमार साव व आनंदपुर ओपी अध्यक्ष सतीश कुमार मौजूद थे.

## रंग भरा यह फागुन

**डॉ. प्रभारानी प्रसाद**

दिल चाहता है खेलूँ होली
बरसे रंग और भीगे चोली
पर मन स्तब्ध हो जाता है
दुर्दशा देख अकुलाता है...

क्यूँकर ऐसा दुर्दिन आया?
क्यूँ इतना आक्रोश समाया??
फूँककर अपने ही घर को
ये कौन सा तोहफा पाया??

चहुँ ओर ज्ञान फैलाने को
हम अग्रसर थे विश्व गुरु बनने को..
किस नामुराद की लगी नजर
यूँ देश हुआ है तहस नहस..

पिचकारी में रंग नहीं
अपनों का खून समाया है
हम जय बोलते लोगों पर
नफरत का फूटा साया है..

जो देश के मेरे रक्षक हैं
नाली में पाए जाते हैं
जो देश की खातिर लड़ते हैं
पत्थर से मारे जाते हैं..

आओ मिलकर ये काम करें
ना तुम मारो ना हम मारें
बस दोनों का मन गीला हो
और रंग भरा ये फागुन हो...

# सात निश्चय व जल-जीवन-हरियाली योजना को दें गति : डीएम

## डीएम ने कटोरिया व चांदन प्रखंड मुख्यालय में की समीक्षात्मक बैठक

अधिकारियों को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी सुहर्ष भगत।

**दीपक चौधरी**

डीएम सुहर्ष भगत ने कटोरिया और चांदन प्रखंड मुख्यालय का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने दोनों प्रखंड कार्यालय में प्रखंड व अंचल के अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक भी की. जिसमें मुख्य रूप से मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना एवं जल-जीवन-हरियाली की लंबित योजनाओं को गति देने का निर्देश डीएम ने दिया. समीक्षात्मक बैठक में डीएम ने प्रधानमंत्री आवास योजना, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, आंगनबाड़ी, आपूर्ति, कृषि, शिक्षा, धान अधिप्राप्ति आदि से संबंधित विभिन्न योजनाओं की भी समीक्षा की. साथ ही संबंधित अधिकारियों से अद्यतन जानकारी ली. डीएम सुहर्ष भगत ने कहा कि लोक कल्याणकारी योजनाओं में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायेगी. कटोरिया व चांदन के

अंचलाधिकारी को डीएम ने अतिक्रमित बांध, पोखर, आहर, पाइन आदि को अतिशीघ्र अतिक्रमण मुक्त करने का भी निर्देश दिया. डीएम ने दाखिल खारिज, राजस्व वसूली के साथ-साथ अन्य विभागीय कार्यों, लक्ष्य व उपलब्धि से संबंधित जानकारी सभी अधिकारियों से ली. इस मौके पर जिला कोषागार पदाधिकारी नवल किशोर यादव, कटोरिया बीडीओ कुमार सौरभ, चांदन बीडीओ दुर्गाशंकर, कटोरिया सह चांदन सीओ शंभुशरण राय, कटोरिया मनरेगा पीओ पंकज कुमार, चांदन मनरेगा पीओ सुरेश पासवान, कटोरिया सीडीपीओ किरण कुमारी, चांदन सीडीपीओ बंदना दास, कटोरिया एमओ सिद्धनाथ पासवान, चांदन एमओ रामदेव मंडल, प्रखंड समन्वयक नेहा झा, बीइओ सुरेश ठाकुर, बीएओ अजीत शर्मा, बीसीओ अजीत कुमार, अंचल निरीक्षक रजनी कुमारी आदि मौजूद थे.

# चौंतीस सालों बाद भी अधूरा पड़ा है कटोरिया का दरभाषण डैम

## सीएम नीतीश कुमार के नौ सालों पहले का निर्देश भी पड़ा ठंडा

अर्द्धनिर्मित दरभाषण डैम का जीर्णशीर्ष तस्वीर।

**दीपक चौधरी**

**कटोरिया :** केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जहां एक ओर जल-जीवन-हरियाली अभियान को लेकर जल संचय, जल संरक्षण व पौधारोपण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की शुरूआत की गयी है. जन-जागरूकता अभियान भी चलाये जा रहे है. वहीं दूसरी ओर पिछले 34 सालों से कटोरिया प्रखंड के देवासी गांव में दरभाषण नदी पर डैम निर्माण का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है. अर्द्धनिर्मित दरभाषण डैम का निर्माण कार्य पूरा होने के लिए इलाके के किसान भी टकटकी लगाए हुए हैं. सिंचाई की कोई सुविधा नहीं रहने के कारण क्षेत्र के किसान आसमानी वर्षा के भरोसे ही खेती करने को विवश है. मालूम हो कि वर्ष 2011 के दिसंबर माह में सेवा यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अर्द्धनिर्मित दरभाषण डैम का निर्माण कार्य पूरा कराने का भरोसा दिया था. सीएम की हरी झंडी मिलने के बाद 24 घंटे के भीतर विभागीय सचिव एवं अधिकारियों की टीम ने दरभाषण डैम का स्थल निरीक्षण भी किया. वर्ष 2013 तक निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखते हुए 13 करोड का प्रोजेक्ट भी तैयार हुआ. इसके बाद डैम के डूब्बा क्षेत्र के अधिग्रहण में आने वाली जमीन की मापी का कार्य भी शुरू हो गया. लेकिन मुआवजा राशि का भुगतान कार्य लंबित पड़ने से दुबारा दरभाषण डैम निर्माण का मामला ठंडे बस्ते में जा चुका है. परिणामस्वरूप कटोरिया प्रखंड के किसानों के चेहरे की खुशी भी मुरझाने लगी है. ज्ञात हो कि देवासी गांव में दरभाषण नदी पर डैम निर्माण के लिए करोड़ों रुपए खर्च होने के बाद भी यह वर्षों से आधी आधी अधूरी स्थिति में पड़ी हुई है. यदि डैम निर्माण का कार्य पूरा हो जाए, तो इस इलाके के किसान भगवान भरोसे खेती करने की बजाय दरभाषण डैम में जमा पानी के भरोसे खेती करेंगे. किसानों के खेतों में सालों भर फसले लहलहायेंगी. क्षेत्र के युवाओं का पलायन रुकेगा, युवा आधुनिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकेंगे. बंजर भूमि पर भी हरियाली का मंजर दिखने लगेगा.

## जनता की जगी नई आस

# बांका के नए जिलाधिकारी के रूप में पदस्थापित हुए सुहर्ष भगत

विदाई समारोह में उपस्थित निवर्तमान जिलाधिकारी व वर्तमान जिला पदाधिकारी सुहर्ष भगत व एसपी अरविंद कुमार गुप्ता, डीडीसी रवि प्रकाश व अन्य अधिकारीगण।

**राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)**

बांका जिले के 37 वाँ जिलाधिकारी के रूप में सुहर्ष भगत ने अपना पदभार दिनांक 20. फरवरी 2020 को ग्रहण किया. वे निवर्तमान जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार से प्रभार ग्रहण किया.कुंदन कुमार का तबादला बेतिया डीएम के रूप में हुआ .परिसदन में नए जिला पदाधिकारी का स्वागत व पुराने जिला पदाधिकारी की विदाई की गई .प्रशासन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में दोनों को सम्मानित किया गया .इस मौके पर एडीएम जयशंकर प्रसाद ,डीडीसी रवि प्रकाश ,एसपी अरविंद कुमार गुप्ता, एसडीओ मनोज कुमार चौधरी ,डीटीओ फिरोज आलम , डीईओ अ हसन, टी ओ एन के यादव, सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद थे.भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2015 बैच के अधिकारी सुहर्ष भगत बतौर जिला पदाधिकारी बांका में उनकी पहली पोस्टिंग है इन्होंने बांका जिला को विकसित बनाने हेतु तथा आमजन तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने हेतु कार्य करूंगा जिससे जिले वासी लाभान्वित हो सके.

पदाभार ग्रहण करने के उपरांज अपने कार्यालय में जिलाधिकारी सुहर्ष भगत व पूर्व जिलाधिकारी।

नए जिला पदाधिकारी के रूप में सुहर्ष भगत केआगमन पर समाहरणालय स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के सामने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया .तत्पश्चात वह कार्यालय वेश्म में निवर्तमान जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार से विधिवत पदभार ग्रहण किया .इसके साथ ही उनके कार्यालय वेश्म में जिले के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी एवं मीडिया बंधु उपस्थित थे .इस प्रकार पदभार ग्रहण करने के उपरांत मीडिया से मुखातिब होकर उन्होंने कहा कि जिले के विकास में सर्वोपरि भूमिका निभाने हेतु हम कटिबद्ध रहेंगे और इसमें आमजन का सहयोग भी आवश्यक है इसके पश्चात कार्यालय में अपने सभी पदाधिकारियों के साथ परिचय का दौर चला तत्पश्चात उनका सादरअभिनंदन किया गया .उन्हें प्रथम दिन कार्यालय में बधाई दी गई .सभी मीडिया बंधुओं की ओर से भी उन्हें प्रथम दिन उनके कार्यालय वेश्म में उनके आगमन पर उनका अभिनंदन किया गया.

## जिले का 30 वां स्थापना दिवस 21 फरवरी 2020

# जिला सृजन दिवस पर जिले की सार्थकता कितनी सार्थक

समाहरणालय सभागार में जिला स्थापना दिवस का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते जिलाधिकारी सुहर्ष भगत व अन्य।

**राजेश पंजिकार ब्यूरो चीफ**

21 फरवरी 2020 बांका जिले के 23 वां स्थापना दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया इसके पूर्व 21 फरवरी 1991 को बांका अनुमंडल से जिला का दर्जा मिला था. नए जिला पदाधिकारी सुहर्ष भगत को यह शुभ अवसर प्राप्त हुआ . उनके पदस्थापन के दूसरे दिन ही जिला का सृजन दिवस मनाया जा रहा है .उनके कर कमलों से स्थानीय समाहरणालय सभागार में दीप प्रज्वलित कर 30 वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया साथ ही स्मारिका का भी विमोचन किया गया. जिला स्थापना दिवस का आयोजन शहर के वीर कुंवर सिंह मैदान और नगर भवन में विधिवत कार्यक्रम का आयोजन हुआ नव पदस्थापित जिला पदाधिकारी ने जिला स्थापना दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि सभी के सहयोग से जिला को विकास के पथ पर लेकर आगे जाना है .बांका में काफी संभावनाएं हैं.

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आयोजित शिविर के संग उप निर्वाचन पदाधिकारी सुरेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी बांका विजय कुमार चंद्र व सहायक कोषागार पदाधिकारी कंचन कुमारी व अन्य.

इसके लिए सभी की सहभागिता जरूरी है .पर्यटन क्षेत्र में मंदार और लक्ष्मीपुर डैम में काफी काम किया गया है .इसी तर्ज पर हनुमाना डैम का विकास होगा. साथ ही 42000 हेक्टेयर बंजर भूमि पर खेती चल रही है .उसे और भी बृहद रूप से किया जाएगा. उन्होंने कहा कि उन्हें प्रभार लिए हुए 24 घंटे भी नहीं बीता है .पहले

वीर कुमार सिंह मैदान में आयोजित स्थापना दिवस के विभिन्न शिविरों का फीता काटकर शुभारंभ करते जिलाधिकारी सुहर्ष भगत, साथ में पुलिस कप्तान अरविंद कुमार गुप्ता सहायक समाहर्ता, उप विकास आयुक्त व अन्य अधिकारीगण.

जिले की भौगोलिक स्थिति से वाकिफ होना है .इसके बाद विकास की प्राथमिकता को देख कर आगे बढ़ना है .बांका फसल उत्पादन का बड़ा हब है. इसके लिए अर्जुन के और भी पौधे लगाए जाएंगे .जिससे कि किसानों के आय का स्रोत बढेगा. जिलाधिकारी ने आगे बताया कि 2 माह में 14 सौ वादों में जल नल की व्यवस्था की जाएगी .ताकि लोगों को पेयजल की समस्या का सामना नहीं करना पड़े .मौके पर जिलाधिकारी ने जिले के विकास से संबंधित कई अहम जानकारियां दी.

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम संबोधन के उपरांत जिलाधिकारी ने स्थानीय वीर कुमार सिंह मैदान में स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न स्टालों का निरीक्षण किया जिसमें भिन्न-भिन्न तरह की जानकारियां उन्होंने प्राप्त की खासकर तसर के और कोकून से बनने वाले तसर के धागे के बारे में विस्तृत जानकारी की ज्ञातव्य हो कि कुकुर और तसर धागे का एक स्टॉल प्रदर्शनी के रूप में लगाया गया था इसके साथ साथ पुलिस कप्तान अरविंद कुमार गुप्ता जिले के उप विकास आयुक्त

अपर समाहर्ता सहित अन्य अधिकारी जिला पदाधिकारी के साथ निरीक्षण के क्रम में साथ साथ चल रहे थे. वीर कुंवर सिंह मैदान में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने हेतु विशेष प्रदर्शनी लगाई गई थी .साथ ही भारत निर्वाचन आयोग की विशेष सुविधा हेतु उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा वोटर आई कार्ड और पहचान पत्र हेतु नई जानकारियां उपलब्ध कराई जा रही थी .साथ ही साथ जल जीवन हरियाली को प्रदर्शित करते हुए ,वन विभाग की ओर से स्टॉल लगाकरविभिन्न पेड़-पौधों को दशार्या गया था .बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों के द्वारा गांव में चल रहे विभिन्न आंगनवाड़ी योजनाओं में चल रहे विभिन्न

पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार गुप्ता के संग शास्त्र शिविर के साथ-साथ विभिन्न शिविरों का का निरीक्षण करते जिलाधिकारी सुहर्ष भगत.

तरह के लाभ की जानकारी हेतु भी स्टॉल लगाया गया था. संध्या समय में स्थानीय नगर भवन में संस्कृत सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया था जिसमें कि जिलाधिकारी सहित जिले के वरिष्ठ सभी वरिष्ठ पदाधिकारी कर्मचारी एवं अतिथि उपस्थित थे जिसमें विभिन्न तरह के मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए बच्चों केद्वारा विशेष तरह के नृत्य जल जीवन हरियाली पर विशेष नृत्य का भी आयोजन किया गया था .एक से एक बढ़कर विशेष प्रस्तुति देकर जिला स्थापना दिवस की सुंदरता में चार चांद लग गई .अंत में जिला पदाधिकारी ने समस्त जिला वासियों को 30 वें जिला स्थापना दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई दी.

बांका जिले में विकास के कई संभावनाएं हैं. पर्यटन क्षेत्र में मंदार और लक्ष्मीपुर डैम में काफी काम किया गया है इसी के तर्ज पर विकसित किया जाएगा साथ ही 42000 हेक्टेयर बंजर भूमि पर खेती चल रही है उससे और भी बृहद रूप दिया जाएगा. बांका तसर उत्पादन का बड़ा हव है . यहां अर्जुन के और भी पौधे लगाए जाएंगे. इससे किसानों के आय का स्रोत बढ़ेगा.बांका जिले को समृद्ध साली और विकसित बनाने हेतु सबों के सहयोग की अपेक्षा करता हूं.

**सुहर्ष भगत**
**जिला पदाधिकारी, बांका**

## जल -जीवन -हरियाली अभियान की शुरूआत

# पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा

नगर भवन में दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते जिलाधिकारी सुहर्ष भगत एसपी अरविंद गुप्ता व अन्य अधिकारीगण।

**राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)**

जल जीवन हरियाली अभियान जल जीवन हरियाली हर जीव की जरूरत पर्यावरण को संतुलित जलवायु परिवर्तन एक बड़ी समस्या है इससे निपटने के मुताबिक लिए सरकार ने जल जीवन अभी हरियाली अभियान की शुरूआत की है आने वाले समय में यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में देश में मील का पत्थर साबित होगा वाक्य था जल जीवन हरियाली दिवस पर आयोजित स्थानीय नगर भवन में एक कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते जिलाधिकारी सुहर्ष भगत ने अपने संबोधन में कहा.उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में ऊर्जा संरक्षण करने की आवश्यकता है अपने जीवन के क्रियाकलापों में परिवर्तन लाते हुए अधिक से अधिक ऊर्जा की बचत कर करनी जरूरी है हर महीने के पहले मंगलवार को जिला मुख्यालय और प्रखंड मुख्यालय सहित स्कूल कॉलेज कॉलेजों में जल जीवन हरियाली दिवस पर चर्चा और एक संगोष्ठी का आयोजन होगा .इससे पूर्व जिलाध्यक्ष जिलाधिकारी ने नगर भवन प्रवेश के दौरान चमन सा सरस्वती विद्या

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारीगण।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारीगण।

विज्ञान प्रदर्शनी का निरीक्षण करते जिला पदाधिकारी व एसपी बांका।

मंदिर की भानुप्रिया द्वारा प्लास्टिक कचरे से फ्यूल तैयार करना एवं गंदे पानी को शुद्ध कर उपयोग में लाना एवं पृथ्वी के बचाव के तरीके को डेमो के डेमो को प्रस्तुत किया अंश द्वारा स्वचालित जल संयंत्र एवं मृदा में नमी की पहचान के आधार पर जल की उपयोगिता को दशार्या गया था इस प्रकार चमन सा सरस्वती विद्या मंदिर जगतपुर के अंकित कुमार एवं प्रेम राज ने पानी को अवशोषित करने वाला सड़क एवं उसका उपयोग और वर्ष वर्षा जल का संचयन कर जमीन में पानी के स्तर को कैसे बढ़ाया जाए प्रदर्शनी के द्वारा प्रदर्शित किया इस कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार गुप्ता ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या किसी व्यक्ति या किसी देश का नहीं है बल्कि पूरे विश्व की समस्या है वहीं उप विकास आयुक्त रवि प्रकाश ने कहा कि 1 दिन की सौर ऊर्जा से 1 वर्ष में खपत होने वाले पारंपरिक ऊर्जा की भरपाई की जा सकती है पर्यावरण संरक्षण हेतु जल जीवन अभियान की शुरूआत एक अच्छी पहल है इस पर हमें कार्य रूप में इसे प्रमाणित करने की आवश्यकता है.

विभिन्न प्रखंड कार्यालयों में मैं भी इस अभियान की शुरूआत की गई--जल जीवन हरीबा हरियाली योजना का आगाज मंगलवार को हुआ इस क्रम में विभिन्न प्रखंड में विविध प्रतियोगिता आयोजित की गई.

**अमरपुर प्रखंड :** जल जीवन हरियाली योजना का मंगलवार को भी हुआ इस क्रम में विभिन्न प्रखंडों में विविध प्रतियोगिता आयोजित की गई कुछ स्थानों पर बैठक भी हुई अमरपुर जल जीवन हरियाली कार्यक्रम को लेकर सीईओ सुनील कुमार साह की अध्यक्षता में बैठक हुई सीओ सतीश चंद्रा बीपीआरओ हिमांशु शेखर बीडब्ल्यू ओ सिकंदर प्रसाद सिंह एवं कृषि संबंधित शामिल हुए सीओ ने योजना को गति देने पर बल दिया उन्होंने कहा कि पर्यावरण को संतुलन करना जरूरी है किसानों को

प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी के द्वारा जल-जीवन-हरियाली पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते।

जल संरक्षण इकाई वानिकी सफल चक्र पद्धति से फसल प्रत्यक्ष पर प्रति एकड़ □75500 अनुदान दिया जाएगा मौके पर मिथिलेश पर यारा जय राम चौधरी मुरारी शर्मा राकेश अनिकेत आनंद सहित अन्य किसान सलाहकार मौजूद थे

**रजौन प्रखंड :** शिव सुभद्रा पब्लिक स्कूल परिसर में मनरेगा और अंचल द्वारा चित्रांकन प्रिंटिंग निबंध लेखन वाद विवाद प्रतियोगिता पौधारोपण आदि का आयोजन हुआ पियो संजीव कुमार दास सीओ निलेश कुमार चौरसिया जीविका प्रबंध प्रखंड परियोजना प्रबंधक संजीव कुमार सिंह एवं प्रखंड शिक्षा बीआरपी संजय कुमार झा ने शिव सुभद्रा पब्लिक स्कूल के प्रतिभागी बच्चों के बीच चार्ट पेपर प्रिंटिंग आदि भी उपलब्ध कराएं प्रतिभागी बच्चों के बीच पियो एवं सीओ ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया मौके पर विद्यालय परिसर में कई पौधारोपण भी किए गए.

**कटोरिया प्रखंड :** जल जीवन हरियाली दिवस को लेकर कटोरिया प्रखंड मुख्यालय के सभा भवन में बैठक आयोजित की गई अध्यक्षता पियो पंकज कुमार ने की प्रमुख प्रमोद कुमार मंडल व सीडीपीओ किरण कुमारी ने जल संचय पर बल दिया उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जल संचय संरचना तथा तालाब पोखर आहार पोखर खींच को चिन्हित कर अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा मौके पर प्रदीप मुखिया मौके पर मुखिया प्रदीप कुमार गुप्ता जिला पार्षद प्रतिनिधि चंद्रशेखर गुप्ता उर्फ रामू गुप्ता योगेंद्र कुमार वासुदेव पंडित रोहित कुमार नीरज सा अभिषेक कुमार उर्फ अमित यादव पप्पू यादव आदि उपस्थित थे.

**बांका प्रखंड :** बांका प्रखंड मुख्यालय के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार चंद्र व अंचलाधिकारी , प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं कार्यालय के सभी कर्मचारी के साथ इस अभियान को पूर्ण सफल बनाने हुए हेतु हेतु बैठक की गई इसमें मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी ने जल संचय पर विशेष बल

कार्यक्रम में शिरकत करते जनप्रतिनिधिगण व बाल विकास परियोजना की अधिकारीगण।

दिया इसमें अपनी भागीदारी को इस अभियान से इस अभियान को सफल बनाने का निर्णय लिया गया वहीं अंचलाधिकारी ने क्षेत्र के जितने भी आहार पेन पोखर आदि को अतिक्रमण मुक्त कर करने की बात कही जिससे जल संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सके और जल जीवन हरियाली अभियान कायम हो सके.

**धोरैया प्रखंड :** धोरैया प्रखंड कार्यालय में जल जीवन हरियाली पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचलाधिकारी एवं जिला प्रखंड कृषि पदाधिकारी के द्वारा जल जीवन हरियाली विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित गई.वहीं दूसरी ओर बाल विकास परियोजना कार्यालय में भी जल जीवन हरियाली मिशन को लेकर रंगोली पेंटिंग का आयोजन किया गया .बाल विकास परियोजना कार्यालय में जल जीवन अभियान को लेकर सीडीपीओ हेमा कुमारी ने सेविका के साथ बैठक किया .इस दौरान उन्होंने सभी को अपने-अपने आंगनवाड़ी केंद्र पर पौधारोपण करने को कहा .ग्रामीणों को भी इसके लिए प्रेरित करने की बात कही .उन्होंने सेविका के साथ रंगोली बनाकर सभी को पौधारोपण का संकल्प दिलाया. साथ ही गांव के लोगों को जल संचय के लिए सुख्ता का निर्माण करने की बात कही .इस मौके पर महिला पर्यवेक्षिका सुजाता तिवारी ,रूप तारा देवी चंदा कुमारी, रंजना कुमारी, शबनम कुमारी ,आदि सेविका उपस्थित थे.

**शंभूगंज प्रखंड :** जल्दी बन हरियाली अभियान की जागरूकता के लिए बाल विकास परियोजना परियोजना कार्यालय शंभूगंज में मंगलवार को मिस जल जीवन हरियाली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इसमें आंगनवाड़ी केंद्र से जुड़ी 22 किशोरी ने रेप रेप वाकिया हरियाली के साथ फूलों की साज-सज्जा से किशोरी का मनमोहक रूप सामने आ रहा था इसमें

कटोरिया प्रखंड सभागार में जल-जीवन-हरियाली विषय पर परिचर्चा करते सीओ पंकज कुमार, सीडीपीओ किरण कुमारी व प्रमुख प्रमोद मंडल।

प्रखंड क्षेत्र के अधिकतर अधिकतर आंगनवाड़ी केंद्र की किशोरियों और बच्चों ने हिस्सा लिया इसमें पहला स्थान साक्षी कुमारी को मिला आकृति कुमारी को दूसरा तथा महेंद्र महिला खातून आत्मा को तीसरा स्थान मिला तीनों को मिस जल जीवन हरियाली घोषित किया गया इस अवसर पर संगीत गीत और की प्रतियोगिता में बच्चों ने हिस्सा लिया देश भक्ति गीत में साक्षी कुमारीको मिला आकृति कुमारी को दूसरा तथा महिला आत्मा को तीसरा स्थान मिला तीनों को मिस जल जीवन हरियाली घोषित किया गया कार्यक्रम का संचालन करते हुए बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चंचला कुमारी ने कहा कि ग्रामीण बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है प्रतियोगिता के साथ उन्होंने जल जीवन हरियाली का संदेश हर लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया विजेता बच्चों को सीओ परमजीत सिरमौर मुखिया विद्या वर्मा आदि ने प्रमुख रूप से पुरस्कृत किया वहीं इस अभियान के तहत स्थानीय इंटर कॉलेज एसकेएम विद्यालय दाढ़ी पकरिया में मंगलवार को जल जीवन हरियाली पर आधारित प्रतियोगिता में कुल 528 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया इसके तहत पेंटिंग प्रतियोगिता और पर्यावरण संरक्षण पर बल देने हेतु विशेष अभियान के तहत परिचर्चा कीजिए बच्चों ने मनमोहक पेंटिंग भी बनाया.

इस प्रकार जल जीवन हरियाली अभियान को शत प्रतिशत प्रभावी बनाने हेतु जिला प्रशासन की कवायद पूर्ण रूप से एक सृजनात्मक पहल से पूर्व जिले में इस अभियान की शुरूआत की गई जल है तो जीवन है हरियाली हर जीवन की जरूरत है इस पर पर्यावरण से संतुलन और जीवन का जल संचय एवं पर्यावरण की सुरक्षा आज की सबसे बड़ी जरूरत है.

# मैराथन दौड़ में सफल प्रतिभागी को मिला मैडल व प्रशस्ति पत्र

**राजेश पंजिकार ब(यूरो चीफ)**

जिला स्थापना दिवस की ३०,वीं वर्षगांठ के अवसर पर अंन्तर जिला मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था .मैराथन दौड़ को नजारत उप समाहर्ता शालिग्राम मंडल एवं प्रभारी जिला खेल अधीक्षक प्रमोद यादव ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था .मैराथन दौड़ में शामिल धावकों का कारवां शहर के गांधी चौक व आजाद चौक होते हुए ,डीएम कोठी के फाइनल लाइन तक पहुंचा .जहां बालक एवं बालिका वर्ग के 4-4 प्रतिभागी का चयन किया गया .इसमें बालक वर्ग की बांका जीतारपुर के निशांत कुमार, और बालिका वर्ग के भागलपुर की पार्वती कुमारी ,सबसे पहले शहर को नाप कर फाइनल लाइन पार करने में सफल हासील की .जबकि बालक वर्ग के दूसरे स्थान पर अमरपुर के नितेश रंजन तीसरे स्थान पर पड़रिया के भवेश कुमार एवं जगन्नाथपुर के अमृत कुमार ,चौथे स्थान पर रहे बांका जिला सृजन दिवस के कार्यक्रम के अवसर पर इस मैराथन दौड़ में बालिका वर्ग से भागलपुर की मीरा कुमारी दूसरे जनकपुर की करिश्मा टुड्डू तीसरे एवं अंतिम बांका के सहायक कोषागार पदाधिकारी कंचन कुमारी चौथे स्थान पर रही. प्रतियोगिता समाप्त होने के उपरांत सभी प्रतिभागी को ससम्मान मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. मौके पर साइंस फॉर सोसायटी के दीपक कुमार ,शिक्षक कुंदन बिहारी एवं अन्य कर्मी गण उपस्थित थे.

विजय प्रतिभागी कंचन कुमारी सहायक कोषागार पदाधिकारी को मेडल प्रदान करते हुए नजारत उप समाहर्ता शालिग्राम मंडल.

# इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गोड्डा के तत्वावधान में किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करती डा. प्रभारानी प्रसाद व अन्य महिला चिकित्सा पदाधिकारीगण. शिविर में किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण करती डॉ प्रभारानी प्रसाद

सदर अस्पताल गोड्डा को कायाकल्प सम्मान का मिला प्रथम पुरस्कार इस अवसर पर गुड्डा सदर अस्पताल की महिला चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रभारानी प्रसाद विशिष्ट अतिथियों से यह सम्मान प्राप्त किया इस अवसर पर गोड्डा के सिविल सर्जन एवं सदर अस्पताल के सभी चिकित्सा पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थितिथे.

वहीं दूसरी ओर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गोड्डा के तत्वावधान में किशोरियों के स्वास्थ्य की जांच की गई. जिसमें की मुख्य रूप से मशहूर महिला चिकित्सा पदाधिकारी डा. प्रभारानी प्रसाद डा. बन देवी झा, डॉ जयश्री ने अपनी भूमिका निभाई .स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता मिशन के तहत झारखंड राज्य का गोड्डा जिला हमेशा अग्रणी रहा है .इसी क्रम में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गोड्डा के द्वाराइस तरह के सृजनात्मक पहल सुदूर देहातीक्षेत्रों , शिक्षण संस्थाओं या अन्य सार्वजनिक स्थलों परकिसी कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य परीक्षण जिले के मशहूर महिला चिकित्सा पदाधिकारी के द्वारा की जाती है.

# दिनकर की धरती पर बिहार का सबसे ऊंचा झंडा लगाने की मुहिम हुई तेज

## सामाजिक कार्यकर्ता अजय कुमार ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर की धरती बेगूसराय में बिहार का सबसे ऊंचा झंडा लगाने की मुहिम एक बार फिर तेज हो गई है गत कई वर्षों से इसके लिए प्रयासरत वरिष्ठ समाजसेवी अजय कुमार ने एक बार फिर डीएम को ज्ञापन सौंपकर सबसे ऊंचा झंडा लगाने की मांग की है इससे पहले भी उन्होंने बेगूसराय के तत्कालीन डीएम राहुल शर्मा से पत्र लिखकर जगह की मांग की थी।अजय कुमार का कहना है कि उनकी मंशा है कि बिहार का सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज बेगूसराय में लगे, अजय कुमार ने बताया कि देश के अन्य प्रांतों के विभिन्न शहरों में 300 फीट तक ऊंचे झंडे लहरा रहे हैं, लेकिन अब तक बिहार इससे अछूता रह गया। बिहार के किसी शहर में इस तरह का झंडा नहीं लगा, जिसे ऊंचा कहा जा सके, इसलिए बिहार में भी इस काम को करने का निर्णय लिया गया है। राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश का प्रतीक है और राष्ट्र में इस तरह ऊंचे झंडे लहराने से आने वाली पीढ़ी में देशप्रेम के प्रति उर्जा का संचार होता रहता है, इसलिए हर जगह इस तरह की गतिविधियां होनी चाहिए। अजय कहते हैं कि बेगूसराय की धरती राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर की स्थली है, इसलिए बिहार का सबसे ऊंचा झंडा बेगूसराय में लगाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए उन्होंने पहले भी स्थानीय प्रशासन को पत्र लिखकर जगह की मांग की थी। इसके लिए जीरो माइल स्थित दिनकर गोलम्बर का चयन किया गया था, लेकिन उस समय भी प्रशासनिक अनुमति नहीं मिल सकी थी। अजय कुमार बताते हैं कि उनके इस अभियान के समर्थन में लगभग 5 हजार लोगों ने हस्ताक्षर भी किए थे अब एक बार फिर मैं जिलाधिकारी से इसके लिए गुहार लगा रहे हैं. प्रतिनिधि मंडल मे युवा नेता शुभम कुमार ,ब्रजेश कुमार ,और समाजसेवी प्रियम रंजन सिंह थे।

समस्त देशवासियों को
होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ संजय मयूख
राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी
एमएलसी, भाजपा

# राजीव कुमार

(संस्थापक सह राष्ट्रीय महासचिव)

गढ़पुरा नमक सत्याग्रह गौरव यात्रा समिति. (महासचिव),

पूमरे दैनिक रेल.यात्री संघ. बेगूसराय (बिहार)

**संपर्क : 9431210181**

होली के अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
प्रदीप कुमार गुप्ता
मुखिया
ग्राम पंचायत
कटोरिया
जिला- बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

# चिरंजीव कुमार

निदेशक चाईल्ड लाईन

बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

# रेफरल अस्पताल कटोरिया

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

# नीरज कुमार

मुखिया

ग्राम पंचायत -घोरमारा

प्रखंड - कटोरिया-

जिला- बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

## रामावतार यादव

सामाजिक कार्यकर्ता

सह पूर्व मुखिया प्रतिनिधि

पंचायत-दक्षिणी कोझी

प्रखंड -फुल्लीडुमर

जिला -बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

## डॉ मौलेश्वरी सिंह विद्याभूषण

M.H.M.B.B.S. (Darbhanga) R.M.P.H. (Patna),

D.C.P. (Ranchi) Regd. No. 16261 दुधारी

बांका, मो. 9955601568

समस्त जिलेवासियों को
होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

# पुतुल कुमारी

**पूर्व सांसद**
**बांका**

समस्त जिलेवासियों को होली
की हार्दिक शुभकामनाएँ

# लालधारी यादव

**पूर्व जदयू प्रत्याशी**
**बेलहर**
**विधानसभा क्षेत्र**

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

# डॉ. प्रभा रानी

**महिला चिकित्सा पदाधिकारी,**
**सदर अस्पताल, गोड्डा (झारखंड)**

# आई.सी.डी.एस

कटोरिया की ओर से होली के अवसर पर समस्त जिलेवासीयों को हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**पंकज कुमार**

कार्यक्रम पदाधिकारी
मनरेगा - कटोरिया
जिला बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**दीपक कु. शर्मा**

कार्यक्रम पदाधिकारी
मनरेगा- सहअमरपुर
जिला- बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**डॉ. सरयू प्रसाद यादव**

अध्यक्ष कुसाहा
वन समिति
जिला- बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**आचार्य रघुनंदन शास्त्री**

आवासीय मार्शल
एकेडमी, खेसर,
बांका, मो.:8002850364

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**डॉ बलराम मंडल**

D.E.H(Redg no 23631

रजि नं-23631
ग्राम - दुधारी
जिला- बांका
9939992228

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**उत्तम कुमार निराला**

बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**प्रतिज्ञा कुमारी**

प्रो. प्रतिज्ञा गैस
एजेंसी, कटोरिया
रोड, बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**तारा देवी**

जिला परिषद सदस्या
बांका उत्तरी-14

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

HP GAS
your friendly gas

**रामचंद गैस एजेंसी**

शिव आशीष
मार्केट, बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**बेबी कुमारी घोष**

वार्ड पार्षद
वार्ड नं-11
नगर परिषद
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**डा.संगीता मेहता**

बाराहाट
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**अंजनी कुमार राम**

उच्च वर्गीय लिपिक
अनुमंडल कार्यालय
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**रंजित कु. शर्मा**

प्रो.शक्ति ग्लास हाउस
न्यू मार्केट कचहरी रोड,
बांका, 8084789834

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**जयराम यादव**

अभिकर्ता
भारतीय जीवन बीमा
निगम
शाखा बांका
कोड नं-1202/5011

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**नवल किशोर यादव**

वरीय कोषागार पदाधिकारी
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**सुरेश कुमार**

उप निर्वाचन पदाधिकारी
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**रवि रंजन**

जिला निबंधन पदाधिकारी
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**चन्द्र देव महतो**

जिला सांख्यिकी पदाधिकारी
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**बिजय कु सिंह**

जिला खनन पदाधिकारी
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**विमल कुमार घोष**

सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**संजय कुमार**

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
बी.आर.डी.एस
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**डॉ लक्ष्मण पंडित**

एम.बी.बी.एस.
एम.एस. सर्जरी
सदर, अस्पताल, बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**परीक्षित पासवान**

थानाध्यक्ष
बाराहाट

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**विजय कुमार चन्द्र**

प्रखंड बिकास पदाधिकारी
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**सूर्य भूषण कुमार**

निरीक्षक,
माप तौल
बिभाग, बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**राजेश कुमार**

कटोरिया
थानाध्यक्ष

**आई.सी.डी.एस**

बांका की ओर से होली के अवसर पर समस्त जिलेवासीयों को हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**सुशीला धान**

बाल विकास परियोजना पदाधिकारी
बांका

समस्त जिलेवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**कंचन कुमारी**

सहायक कोषागार पदाधिकारी
बांका